संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट 1978-79

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट 1978-79

विषय सूची

	पृष्ठ
प्रस्तावना	i-iii
श्रद्धांजलियां	1
संगठन-व्यवस्था	1-3
बैठकें	3-4
अकादमी अधिसदस्यता एवं पुरस्कार 1978	4-5
मानाभिषेक	5-6
उत्सव तथा कार्यक्रम	6-8
पुस्तकालय तथा श्रवण कक्ष	8-9
अकादमी संग्रहालय	9-10
अकादमी टेप संग्रहालय	10-12
संस्थाओं को वित्तीय सहायता	12-13
प्रकाशन	13-15
नाटक अनुभाग की रिपोर्ट	16-19
राज्य अकादमी सचिवों की बैठक	19-28
योजनागत स्कीमें	28-32
कत्थक केंद्र	32-37
जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	38-41
बजट तथा लेखे	41

परिशिष्ट

31 मार्च, 1979 को महापरिषद् के सदस्य — परिशिष्ट I

1978-79 में राज्य अकादमियों तथा संस्थाओं को अनुदान — परिशिष्ट II

1978-79 में संस्थाओं / व्यक्तियों को स्वीकृत विवेकाधीन अनुदान — परिशिष्ट III

प्राप्तियों तथा अदायगियों का विवरण — परिशिष्ट IV , IV (क), V , V (क), VI , तथा VI (क)

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट 1978-79

प्रस्तावना

आलोच्य वर्ष की एक महत्वपूर्ण घटना थी राज्य अकादमियों के सचिवों की बैठक का आयोजन जिसमें अकादमियों के अध्यक्ष भी आमंत्रित किए गए थे । तेरह राज्यों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया तथा अकादमी की अध्यक्षा, श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय ने इस बैठक की अध्यक्षता की । अध्यक्षा ने बताया कि बैठक का उद्देश्य परस्पर हित के मामलों पर विचार-विमर्श करना तथा उन कार्यकलापों का निर्देश करना था, जिन्हें केंद्रीय तथा राज्य अकादमियां अपने लक्ष्यों एवं अग्रताओं के संदर्भ में हाथ में ले सकती है । विचारविमर्श के परिणामस्वरूप अध्यक्षा का यह अनुभव था कि केंद्रीय तथा राज्य अकादमियों के बीच अधिक उद्देश्यपूर्ण कार्य-व्यवस्था की जा सकती है । अन्य बातों के साथ-साथ उन्होंने यह भी कहा कि जिन संस्थाओं को अनुदान दिए गए हैं, उनसे कहा जाए कि वे सहायता-प्राप्त कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में अपनी गतिविधियों की अधिक स्पष्ट जानकारी दें ।

उपाध्यक्ष ने अपने भाषण में केन्द्रीय तथा राज्य अकादमियों के मध्य सम्बन्धों पर बल दिया और कहा कि अकादमियां वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तुत की जाने वाली योजनाओं पर विचार करने मात्र को ही पर्याप्त न समझें । राज्य अकादमियों को अपने-अपने क्षेत्र में चल रहे कार्यों पर पूरी दृष्टि रखने को सक्षम होना चाहिए तथा आर्थिक एवं कलात्मक सहायता के अभाव में तेजी से लुप्त अथवा क्षीण हो रही प्रदर्शन कलाओं के परिरक्षण, वर्धन तथा संरक्षण के लिए आवश्यक उपायों का सुझाव दें । राज्य अकादमियों से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी अग्रताओं का सही निर्देश करें जिससे कि उन कार्यक्रमों का पता चल सके जिनके लिए वे स्वयं आर्थिक सहायता

देना चाहेंगी तथा केंद्रीय अकादमी सहायता की अपेक्षा करेंगी ।

एक और उल्लेखनीय घटना थी नवम्बर, 1978 के प्रारम्भ में कर्नाटक राज्य संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से बंगलौर में छाया रंगमंच के राष्ट्रीय उत्सव का आयोजन । इस उत्सव में उड़ीसा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल तथा महाराष्ट्र के पारम्परिक छाया रंगमंच का प्रदर्शन किया गया । अकादमी के कठपुतली संग्रह के आधार पर विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई । छाया रंगमंच परम्पराओं के व्यावहारिक पक्षों पर बल देने वाली एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई । इनमें भाग लेने वाले व्यक्ति या तो प्रमुख समकालीन कठपुतली नचाने वाले थे या कठपुतली रंगमंच के कर्मचारी जिनके समक्ष छाया रंगमंच की विभिन्न शैलियों का पहली बार प्रदर्शन किया गया था । संगोष्ठी में कतिपय विदेशी विद्वानों ने भी भाग लिया ।

जैसा कि गत वर्ष की रिपोर्ट में भी बताया गया था, अकादमी पारम्परिक प्रदर्शन कलाओं के दुर्लभ रूपों के संवर्धन एवं परिरक्षण पर विशेष बल देती रही है । यह कार्यक्रम विशेष रूप से बनाई गई योजना के अंतर्गत चलाया जा रहा है । अकादमी ने वित्तीय वर्ष के अंत में पारम्परिक रंगमंच के दो दुर्लभ रूप, कश्मीर का भाण्ड पाथेर तथा हिमाचल प्रदेश का करियाला आयोजित एवं प्रस्तुत किए । प्रतिनिधि मंडलियों को इन रूपों में प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली में आमंत्रित किया गया । इन प्रदर्शनों की फ़िल्में तथा फ़ोटोग्राफ़ लिए गए । जैसा कि बताया गया है, बहुत से दुर्लभ रूपों का पता लगा लिया गया है तथा उन्हें छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं प्रदर्शन अनुदानों के माध्यम से सहायता दी जा रही है ।

एक और महत्वपूर्ण कार्य था अकादमी को रंगमंच के क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों में मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय की अध्यक्षता में रंगमंच विशेषज्ञों के एक तदर्थ दल का गठन । दल ने कई सार्थक

सिफ़ारिशें दीं जिनमें रंगमंच कार्यशालाओं का आयोजन, पारम्परिक तथा चुनिंदा समकालीन रंगमंच गतिविधियों का प्रलेखन, उदीयमान नाटककारों को अधिसदस्यता प्रदान करना, संभावित उपयोक्ताओं को मुहैया कराने के लिए अप्रकाशित नाटकों की पांडुलिपियों का संग्रह, रंगमंच कर्मचारियों के उपयोगार्थ किट का नमूना तैयार करना आदि शामिल हैं। इन सिफ़ारिशों को कार्यरूप देने के लिए योजनाएं बनाई गई हैं।

गत वर्ष की ही भांति अकादमी ने अधिसदस्यों का चुनाव किया तथा वार्षिक पुरस्कार प्रदान किए, प्रलेखन एकक के कार्य का विस्तार किया तथा देश भर में सांस्कृतिक संगठनों को अनुदान दिए जिनकी संख्या इस वर्ष 128 थी।

-0-

श्रद्धांजलियां

वर्ष के दौरान प्रदर्शन कला के जगत से अनेक विशिष्ट कलाकार तथा उत्कृष्ट विद्वान चल बसे। अकादमी ने प्रत्येक दिवंगत विद्वान के लिए गहरा शोक व्यक्त करने तथा शोक संतप्त परिवारों को अपनी संवेदना प्रेषित करने के लिए शोक सभा का आयोजन किया। दिवंगत विद्वानों में प्रमुख थे : 1957 में कत्थक के लिए अकादमी पुरस्कार विजेता श्री लच्छू महाराज; अकादमी के अधिसदस्य गुरु कालिचरण पटनायक; कला जगत में विख्यात तथा अकादमी से घनिष्ट रूप में सम्बद्ध श्री जे0 सी0 माथुर; अकादमी के भूतपूर्व उपाध्यक्ष श्री एस0 एन0 मजूमदार; 1976 में अकादमी पुरस्कार विजेता नाट्याचार्य पंडनलौर मुतैहा पिल्लै; 1974 में नाटक लेखन (तमिल) के अकादमी पुरस्कार विजेता श्री एस0 डी0 सुन्दरम्; प्रसिद्ध संगीतज्ञ तथा अकादमी के अधिसदस्य रल्लपल्ली डी0 अनंतकृष्ण शर्मा।

अकादमी इनकी स्मृति में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

संगठन व्यवस्था

संगीत नाटक अकादमी एक राष्ट्रीय संस्था है जिसकी स्थापना भारत सरकार ने प्रदर्शन कलाओं के संवर्धन के लिए 1953 में की थी। यह सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अधीन पंजीकृत है तथा एक स्वायत्त संगठन के रूप में काम करती है।

अकादमी के प्रबंध का भार महापरिषद् पर है। अकादमी का सामान्य अधीक्षण, निर्देशन तथा अन्य मामलों के नियंत्रण का कार्य अधिशासी मंडल करता है जोकि वास्तव में अकादमी का शासी निकाय है। अकादमी का अध्यक्ष अकादमी का प्रशासनिक प्रमुख भी है। इसका प्रधान कार्यपालक अधिकारी सचिव होता है जिसकी सहायता के लिए एक वित्त एवं लेखा अधिकारी चार सहायक सचिव, एक विशेष अधिकारी (प्रलेखन) तथा अन्य अधिकारी एवं

कर्मचारी हैं। वित्त समिति, वित्त सलाहकार जिसका पदेन अध्यक्ष होता है, वित्तीय मामलों में अधिशासी मंडल को सहायता प्रदान करती है। अकादमी सरकार द्वारा प्रदत्त धनराशि से दो संस्थानों, जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल तथा कत्थक केंद्र, नई दिल्ली का संचालन करती है।

अकादमी के उद्देश्य, महापरिषद्, अधिशासी मंडल तथा वित्त समिति की शक्तियां एवं कार्य, **बहिर्नियमों** में स्पष्ट किए गए हैं। अकादमी शास्त्रीय, पारम्परिक तथा समकालीन प्रदर्शन कलाओं को, उनकी सारी भरपूरता तथा विविधता के साथ उन्नति एवं संवर्धन के लिए, प्रशिक्षण के स्तर को बनाए रखने, विशिष्ट कलाकारों को मान्यता प्रदान करने, तथा संगीत, नृत्य तथा नाटक के लुप्तमान रूपों के पुनरुत्थान, परिरक्षण और प्रलेखन का कार्य करती है।

31 मार्च, 1979 को महा परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट में दी गई है।

अधिशासी मंडल

श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय - अध्यक्ष
डा० (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन - उपाध्यक्ष
श्री जे० ए० कल्याणकृष्णन - वित्तीय सलाहकार
श्री जे० जे० भाभा
श्री तरुण राय
श्री देवी लाल समर
श्री के० वी० गोपालस्वामी
श्री विजय डा० तेंदुलकर
श्री मनोरंजन दास
श्री अजय शंकर

मदुरै श्री एस० सोमसुन्दरम्
डा० कु० प्रेमलता शर्मा
श्री बंसी लाल कौल
डा० एच० के० रंगानाथ
श्रीमती मृणालिनी साराभाई
श्रीमती इ० एन० शुक्ले
प्रो० नीलकांत सिंह

वित्त समिति

श्री जे० ए० कल्याणकृष्णन - अध्यक्ष
श्री के० वी० गोपालस्वामी
श्री तरुण राय
श्री बी० वी० के० शास्त्री
श्री जे० जे० भाभा

अकादमी के अधिकारी

31 मार्च, 1979 को अकादमी के निम्नलिखित अधिकारी थे :-

अध्यक्षा	:	श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय
उपाध्यक्षा	:	डा० (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन
विशेष सलाहकार	:	श्री जे० ए० कल्याणकृष्णन
सचिव	:	श्री ए० एन० धवन

बैठकें

वर्ष के दौरान महा परिषद् की/केवल एक बैठक 15 दिसम्बर, 1978 को हुई।

1978-79

2. अकादमी के अधिशासी मंडल की दो बैठकें 20 अप्रैल, 1978 तथा 14 अगस्त, 1978 को हुईं।

3. वि. समिति की तीन बैठकें 20 अप्रैल, 1978, 14 अगस्त, 1978 तथा 4 अक्तूबर, 1978 को हुईं।

4. अकादमी की अनुदान समिति की एक बैठक पहली जुलाई, 1978 को हुई।

5. प्रकाशन समिति की एक बैठक 3 जुलाई, 1978 को हुई।

6. राज्य अकादमियों के अध्यक्षों / सचिवों की बैठक 24 जून, 1978 को रवींद्र भवन, नई दिल्ली में हुई।

अधिसदस्यता एवं अकादमी पुरस्कार : 1978

संगीत नाटक अकादमी की महापरिषद् ने 16 दिसंबर, 1978 को हुई अपनी बैठक में संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्रों में अकादमी पुरस्कारों के लिए 14 विख्यात कलाकारों का; जिनमें से 6 ने संगीत के लिए, 3 ने नृत्य के लिए तथा 5 ने रंगमंच के लिए अकादमी पुरस्कार प्राप्त किए, तथा अकादमी की अधिसदस्यता के लिए दो विख्यात व्यक्तियों का चयन किया।

वर्गों तथा उनके अंतर्गत चुने गए व्यक्तियों का विवरण इस प्रकार है :

अधिसदस्य

बी0 पुट्टसामय्या
टी0 सुब्रमन्या पिल्लै

78-79

पुरस्कार

संगीत

ख़ादिम हुसैन	हिन्दुस्तानी गायन
पुरुषोत्तमदास	हिन्दुस्तानी वादन (पखावज)
एम० एस० सोमसुंदरम्	कर्नाटक गायन
लालगुडि जी० जयरमन	कर्नाटक - वादन (वायलिन)
राय चंद बोराल	रचनात्मक संगीत
एस० श्रीनिवास राव	कर्नाटक भक्ति संगीत

नृत्य

बापूराम बायन अते	सत्रीय
के० कल्याणीकुट्टी अम्मा	मोहिनी अट्टम
सी० आर० आचार्यालु	कुचिपुडी - शिक्षक

रंगमंच

जब्बार पटेल	निर्देशन
एन० कृष्ण पिल्लै	नाटक लेखन (मलयालम)
दत्ताराम एन० वाळवैकर	अभिनय
टी० कुंजकिशोर सिंह	जात्रा (मणिपुर)
कालिंदी दास	रावण छाया (उड़िया छाया रंगमंच)

मानाभिषेक

वर्ष 1978 के लिए अकादमी पुरस्कार रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में 16 मार्च, 1979 को आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किए गए

जिसकी अध्यक्षता भारत के राष्ट्रपति श्री एन० संजीव रेड्डी ने की । राष्ट्रपति ने दो अधिसदस्यताएं प्रदान कीं तथा संगीत, नृत्य एवं नाटक के क्षेत्रों में 13 विशिष्ट कलाकारों को पुरस्कार वितरित किए । एक पुरस्कार विजेता श्री आर० सी० बोराल पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित न हो सके । उन्हें बिरला आडिटोरियम, कलकत्ता में 8 अक्तूबर, 1979 को पश्चिम बंगाल नाटक, संगीत तथा ललित कला अकादमी के सहयोग से आयोजित समारोह में ताम्रपत्र औपचारिक रूप से भेंट किया गया ।

उत्सव तथा कार्यक्रम

I. राष्ट्रीय छाया रंगमंच उत्सव

संगीत नाटक अकादमी ने कर्नाटक राज्य संगीत नाटक एकादमी तथा बंगलौर विश्वविद्यालय के संगीत, नृत्य एवं नाटक विभाग के सहयोग से बंगलौर में 5 से 9 नवम्बर, 1978 तक एक राष्ट्रीय छाया रंगमंच उत्सव का आयोजन किया । इस उत्सव में उड़ीसा, आंध्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल तथा महाराष्ट्र के पारम्परिक छाया रंगमंच का प्रदर्शन किया गया । एकादमी संग्रहालय में कई वर्षों के दौरान संग्रह की गई विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों के माउण्ट बनाकर उनकी एक प्रदर्शनी लगाई गई । एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें छाया रंगमंच परम्परा के व्यावहारिक पक्षों पर बल दिया गया । भाग लेने वालों में विख्यात-समकालीन कठपुतली नचाने वाले अथवा कठपुतली रंगमंच के कर्मचारी थे जिनको पहली बार पारम्परिक छाया रंगमंच की विभिन्न शैलियों की जानकारी प्रदान की गई । विभिन्न क्षेत्रों में पारम्परिक कलाकारों को खोज निकालने में एकादमी को भरसक प्रयत्न करना पड़ा क्योंकि लोकप्रिय जनसंपर्क माध्यम के प्रभाव में छाया रंगमंच की विभिन्न पारम्परिक शैलियां पिछड़ कर दूर-दराज़ के

ग्रामीण क्षेत्रों में हटती जा रही हैं। वास्तव में, कठपुतली रंगमंच की कुछ शैलियां लुप्त प्राय: हैं। अत: उत्सव की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, कठपुतली सेटों के नवीकरण तथा कठपुतली रंगमंचों के नटाली संवर्धन की कार्रवाई की जा रही है। कुछेक विदेशी विद्वानों ने भी संगोष्ठी में भाग लिया।

II. अकादमी कला उत्सव

वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर मार्च, 1979 में अकादमी ने एक पांच-दिवसीय संगीत, नृत्य एवं नाटक उत्सव का आयोजन किया, जिसमें इस वर्ष के पुरस्कार-विजेता कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। यह उत्सव वार्षिक पुरस्कार समारोह का नियमित भाग बन गया है तथा यह राजधानी की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक घटना होती है। इसके प्रति लोगों ने गहरी रुचि तथा उत्साह को प्रकट किया और भारी संख्या में दर्शक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम जनसाधारण के लिए खुले थे तथा इनका आयोजन रवींद्र भवन के बागीचे और श्रीराम कला एवं संस्कृति केंद्र के आडिटोरियम में किया गया। उत्सव के दैनिक कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

मार्च 16	एस0 श्रीनिवास राव (गायन कर्नाटक)
मार्च 17	पुरुषोत्तम दास (पखावज)
	कला भारा मोहिनी अट्टम का प्रदर्शन (कलामंडलम कल्याणीकुट्टी अम्मा की शिष्या)
मार्च 18	लालगुडी जी0 जयरमन (वायलिन कर्नाटक)
	मदुरै एस0 सोमसुंदरम् (गायन कर्नाटक)
मार्च 19	रावण छाया छाया रंगमंच (काठिनंद दास एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत)
	सत्रीय नृत्य (बापूराम बायन अत्तै एवं साथी)
	मणिपुर जात्रा (टी0 कुंजकिशोर सिंह एवं साथी)

मार्च 20 मराठी में घासीराम कोतवाल
(जब्बार पटेल द्वारा निर्देशित)

- वार्ताएं, व्याख्यान-प्रदर्शन एवं संगोष्ठियां :

निम्नलिखित तकनीकी व्याख्यानों की व्यवस्था की गई :

- **हिंदुस्तानी संगीत की गमकों के इतिहास एवं तकनीकों पर** डा० प्रेमलता शर्मा के दो व्याख्यान । इनके साथ व्यावहारिक प्रदर्शन भी प्रस्तुत किए गए (जुलाई 31 तथा अगस्त 1, 1978) ।
- अकादमी में 13 दिसम्बर, 1978 को हिंदुस्तानी गमकों पर पंडित विजय चंद मौदगल्य के एक तकनीकी सोदाहरण व्याखान की व्यवस्था की गई ।

अकादमी के संग्रहालय के लिए इन दोनों व्याख्यान-प्रदर्शनों को हमारे अपने ही स्टूडियो में रिकार्ड किया गया ।

कर्नाटक गान कला परिषद् ने 3 तथा 4 जनवरी, 1979 को बंगलौर में संगीत नाटक अकादमी के आंशिक सहायता अनुदान से कर्नाटक संगीत में जावली पर एक विचारगोष्ठी आयोजित की । संगोष्ठी में विभिन्न दक्षिण भारतीय भाषाओं तथा मनिपरवला रचनाओं में जावली पर सोदाहरण, ... दिए गए । संगोष्ठी के कार्यक्रम रिकार्ड किए गए हैं । दुर्लभ एवं अधिक महत्वपूर्ण जावलियों को बंगलौर में अलग से रिकार्ड किया जा रहा है ।

पुस्तकालय तथा श्रवण कक्ष

संगीत नाटक अकादमी के पुस्तकालय तथा पत्रिका अनुभाग में 1978-79 के दौरान वृद्धि होती रही । वर्ष के दौरान 476 पुस्तकें प्राप्त की गईं ।

पाठकों ने
पत्रिकाओं, समाचारपत्रों तथा कतरनों का वाचनालय में भरपूर उपयोग किया । भारतीय नृत्य तथा नाटक पर ग्रंथ सूचियां एवं लोक साहित्य, समाजशास्त्र, जनजातीय अध्ययनों पर पुस्तकों की ग्रंथसूची शोधकर्ताओं को मांगने पर उपलब्ध कराई जाती हैं । प्रत्येक अध्ययन-विषय पर ऐसी ग्रंथसूची माला नियमित रूप से प्रकाशित करने का अकादमी का विचार है । हिंदी, मराठी, बंगाली तथा गुजराती में हिंदुस्तानी संगीत पर पुस्तकों की ग्रंथसूची का काम शुरू किया गया है ।

संगीत नाटक अकादमी पुस्तकालय ने विज्ञान तथा संगीत पर पुस्तकों की ग्रंथसूची प्रकाशित करके मद्रास में आयोजित विज्ञान एवं संगीत संगोष्ठी में भाग लिया ।

श्रवण कक्ष / डिस्क पुस्तकालय का संगीतज्ञों, शोधकर्ताओं एवं संगीत-विद्यार्थियों द्वारा निरंतर उपयोग किया जाता रहा । वर्ष के दौरान 342 डिस्क संग्रह में और जोड़े गए । नई दिल्ली के श्री एन० आर० गोपालकृष्णन से अकादमी के संग्रहालय के लिए कर्नाटक संगीत के 78 आर० पी० एम० जी० के 107 डिस्क का मूल्यवान संग्रह प्राप्त किया गया । दस डिस्क अमरीकी दूतावास से उपहारस्वरूप प्राप्त हुए ।

श्रोताओं के लाभार्थ डिस्कोग्राफ़ी की एक श्रृंखला तैयार की जा रही है । डिस्कोग्राफ़ी की श्रृंखला की दूसरी कड़ी, कर्नाटक संगीत पर, तैयार हो रही है ।

अकादमी संग्रहालय

अकादमी के संग्रह में से 'पारम्परिक रंगमंच में रामायण' पर एक विषय-प्रदर्शन तैयार किया गया तथा इसे अकादमी की 'यवनिका' वीथी में प्रदर्शित किया गया । प्रदर्शन में इस विषय पर कठपुतलियां, नकाब, चित्र,

पुस्तकालय की पुस्तकें तथा कूथम्बलम का एक माडल प्रदर्शित किए गए ।

बंगलौर में नवम्बर, 1978 में आयोजित छाया रंगमंच मेले के अवसर पर भारत की पारम्परिक छाया कठपुतलियों की एक प्रदर्शनी लगाई गई ।

अकादमी संग्रहालय से "पारम्परिक भारतीय लोक रंगमंच" पर एक प्रदर्शनी आयोजित की गई तथा फरवरी, 1979 में श्रीराम कला एवं संस्कृति केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित "तृतीय राष्ट्रीय नाटक मेला" के अवसर पर केंद्र में इसका प्रदर्शन किया गया ।

अकादमी टेप संग्रहालय

वर्ष 1978-79 के दौरान अकादमी टेप संग्रहालय में निम्नलिखित की वृद्धि हुई :

कर्नाटक शास्त्रीय (गायन)

एस० श्रीनिवास राव	2 घंटे
मदुरै एस० सोमसुंदरम्	$2\frac{1}{2}$ घंटे

हिंदुस्तानी शास्त्रीय (वादन)

तबला - वी० के० घंगरेकर	$1\frac{1}{4}$ घंटा
पखावज - पुरुषोत्तम दास	1 घंटा

कर्नाटक शास्त्रीय (वादन)

वायलिन - लालगुडी जी० जयरमन	$2\frac{1}{2}$ घंटे

पारम्परिक

जवाली एवं पदम - सी० सरोजा तथा सी० ललिता	$1\frac{1}{2}$ घंटा

ग़ज़ल - फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ तथा हफ़ीज़ अहमद खां	$1\frac{1}{4}$ घंटा
पदम - मंचला जगन्नाथ राव	3 घंटे

लोक संगीत

राजस्थान - लोकगीत	3 घंटे
तमिलनाडु - भगवत उत्सव, थोलु बोमुल्लत्ता, करगम, बाथ मैला	8 घंटे
कर्नाटक - देवदासियां, तगलु गोम्बिट्टा	3 घंटे
उड़ीसा - रावण छाया, चितिगोडा नृत्य	1 घंटा
आं0 प्र0 - तोगलु गोम्बिट्टा	$\frac{1}{2}$ घंटा
हिमाचल प्रदेश - करियाला	1 घंटा
जम्मू-कश्मीर - भाण्ड पाथेर	1 घंटा
मणिपुर - सत्तरीय नृत्य	1 घंटा
उत्तरप्रदेश - रासलीला	2 घंटे
महाराष्ट्र - चामदयाचा बाहुल्य	$\frac{1}{2}$ घंटा
केरल - मोहिनी अत्तम, थोलपवकुत्तु	2 घंटे
प0 बंगाल - पटुआ	1 घंटा
असम - फुरकांति	1 घंटा
मध्यप्रदेश - गोंड़ नृत्य - 1	10 मिनिट
हरियाणा - लूर नृत्य	10 मिनिट

साक्षात्कार

एस0 श्रीनिवास राव	$\frac{1}{4}$ घंटा
लालगुड़ी जी0 जयरमन	$\frac{1}{2}$ घंटा

कालामंडलम कल्याणीकुट्टी अम्मा	$\frac{1}{4}$ घंटा
मदुरै एस0 सोमसुंदरम्	$\frac{1}{2}$ घंटा
टी0 कुंजकिशोर सिंह	20 मिनिट
ओंकार नाथ मिश्र	25 मिनिट

विदेशी संगीत

यूनानी लोक संगीत	$6\frac{1}{2}$ घंटे
बुल्गारिया का कठपुतली संगीत	1 घंटा

विविध

तराना तथा थिल्लान पर बी0 वी0 के0 शास्त्री की वार्ता (प्रतिलिपि)	15 मिनिट
भारतीय संगीत में गमकों पर प्रेमलता शर्मा का प्रदर्शन एवं वार्ता	4 घंटे
राष्ट्रीय छाया रंगमंच मेला, बंगलोर के अवसर पर संगोष्ठी	$1\frac{1}{2}$ घंटे
आधुनिक हिंदुस्तानी संगीत में गमक पर विनय चंद्र मौद्गल्य की वार्ता	2 घंटे
पुरस्कार प्रस्तुति समारोह - 78	14 घंटे

संस्थाओं को वित्तीय सहायता

वर्ष 1978-79 के दौरान अकादमी संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्रों में कार्यरत संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती रही । राज्य अकादमियों समेत ऐसी संस्थाओं को सहायता-अनुदान के रूप में दी गई राशि

रु0 6,51,330.00 थी । वर्ष 1978-79 के दौरान दिए गए अनुदान की राशि तथा उसके उद्देश्य सहित, सहायता-प्राप्त संस्थाओं की सूची परिशिष्ट II में दी गई है ।

उपर्युक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष / उपाध्यक्ष के विवेकाधीन अनुदानों में से रु0 22,500.00 की राशि परिशिष्ट III के अनुसार विशिष्ट मदों पर होने वाले व्यय को पूरा करने के लिए विशेषज्ञों / चुनींदा संगठनों को स्वीकृत एवं वितरित की गई ।

प्रकाशन

संगीत, नृत्य तथा नाटक पर साहित्य का प्रकाशन अकादमी का एक महत्वपूर्ण कार्य है । स्वयं पुस्तकें प्रकाशित करने के अतिरिक्त, अकादमी निर्धारित नियमों के आधार पर उपयुक्त पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए अन्य संगठनों एवं व्यक्तियों को भी सहायता प्रदान करती है ।

प्रकाशनार्थ अनुदान के लिए आवेदन पत्रों, जिनके साथ पाण्डुलिपि की प्रतिलिपि लगाना अभीष्ट होता है, पर सर्वप्रथम अकादमी की प्रकाशन समिति विचार करती है जिसमें सम्बद्ध क्षेत्र के विशेषज्ञ होते हैं । आलोच्य वर्ष के दौरान, अधिशासी मंडल द्वारा गठित नई प्रकाशन समिति की पहली बैठक 3 जुलाई, 1978 को आयोजित हुई । इस समय प्रकाशन समति के निम्नलिखित सदस्य हैं :-

1) डा0 (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन — अध्यक्ष
2) डा0 (श्रीमती) कुमुद मेहता
3) श्री विजय तेंडुलकर
4) डा0 एच0 के0 रंगनाथ
5) प्रो0 महेश्वर नियोग
6) श्री अशोक बाजपेयी
7) श्री मनोरंजन दास

वर्ष 1978-79 के दौरान, अकादमी ने निम्नलिखित अनुदानों की संस्वीकृति प्रदान की :-

	रुपये	
1.	3,000	संगीत अकादमी, मद्रास की पत्रिका के प्रकाशनार्थ
2.	2,000	भारतीय संगीत सोसाइटी, बड़ौदा की पत्रिका के प्रकाशनार्थ
3.	2,000	'इनैक्ट' पत्रिका के प्रकाशनार्थ
4.	2,000	'संगीत कला विहार' पत्रिका के प्रकाशनार्थ
5.	3,000	'रामलीला - परम्परा और शैलियां, ले0 इंदुजा अवस्थी' के प्रकाशनार्थ
6.	4,000	राम नारायण अग्रवाल द्वारा रचित ब्रज का रास रंगमंच के प्रकाशनार्थ
7.	10,000	श्रीमती जी0 कुप्पुस्वामी तथा एम0 हरिहरण रचित 'ए कान्स्पैक्टस आफ सांग्ज़ इन कर्नाटक म्यूज़िक' के प्रकाशनार्थ।

रामलीला - परम्परा और शैलियां, ले0 श्रीमती इंदजा अवस्थी इस वर्ष प्रकाशित हुई।

अकादमी के प्रकाशन

निम्नलिखित प्रकाशन मुद्रणाधीन थे :

i) 'रासलीला तथा रासानुकरण विकास' ले0 डा0 बसंत याम्दाग्नि

ii) 'दी विंग्ड फार्म' -- हिन्दुस्तानी लयों पर सौंदर्यपरक लेख, ले0 प्रो0 एस0 के0 सक्सेना

iii) 'म्यूज़िक एंड डांस इन रवींद्रनाथ टैगोर्स एजुकेशन फ़िलास्फ़ी' ले० शांति देव घोष

iv) 'एंथालोजी आफ़ सांग्स आफ़ मुथुस्वामी दीक्षितार'

अकादमी ने चुनींदा कला रूपों पर लघु मोनोग्राफ़ लिखने के लिए लेखकों को कहा है । अभी तक निम्नलिखित मोनोग्राफ़ प्राप्त हो चुके हैं :-

i) 'करियाला आफ़ हिमाचल प्रदेश' ले० एस०एस०एस० ठाकुर

ii) 'भौना' रचित प्रो० महेश्वर नियोग

iii) 'मालुशाही लैंड' ले० मोहन उप्रेती

मोनोग्राफों का मुद्रण कार्य आगामी वित्त वर्ष में आरंभ हो जाएगा ।

प्रस्तावित प्रकाशन

उपर्युक्त मोनोग्राफ़ों के अतिरिक्त, अकादमी निम्नलिखित प्रकाशन हाथ में लेने का भी विचार रखती है :-

i) 'पुरूती संगीत प्रकाश' ले० बी० पी० भट्ट

ii) 'हू इज़ हू आफ़ इण्डियन म्युज़िशियन्स' - द्वितीय संस्करण

iii) 'हिमाचल के लोक संगीत' ले० केशव आनंद ।

संगीत नाटक'

अकादमी प्रदर्शन कलाओं पर " संगीत नाटक' नाम की एक त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित करती है । पत्रिका का यह पंद्रहवां प्रकाशन-वर्ष है । प्रमुख विद्वान और विशेषज्ञ इसमें अपनी रचनाएं देते हैं । वर्ष 1978-79 में अंक 46 से 48 प्रकाशित किए गए । इसकी एक प्रति का मूल्य रु० 3.00 है तथा वार्षिक चंदा रु० 10.00 है (विदेशी ग्राहकों के लिए 5.00 डालर) ।

नाटक अनुभाग की रिपोर्ट

1. वर्ष के दौरान संगीत नाटक अकादमी के नाटक अनुभाग का पुनर्गठन किया गया तथा सहायक सचिव के पद के समकक्ष एक अधिकारी को अनुभाग का पूर्णकालिक कार्यभार सौंपा गया ।

2. संगीत नाटक अकादमी के अधिशासी मंडल ने अपनी दिसम्बर, 1978 में हुई बैठक में रंगमंच के क्षेत्र में अकादमी को, इसकी विभिन्न गतिविधियों में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय की अध्यक्षता में एक तदर्थ रंगमंच विशेषज्ञ दल बनाने का निर्णय लिया । देश के सभी भागों से लिए गए इन विशेषज्ञों से एक ऐसा कार्यक्रम तैयार करने की अपेक्षा थी जिससे देश में रंगमंच की संवृद्धि एवं विकास में अकादमी अपना सक्रिय योगदान दे सके तथा भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच आंदोलनों में घनिष्ठ एवं सार्थक संपर्क स्थापित करने की दृष्टि से नीतियों का निर्माण कर सके ।

3. उक्त दल की एक बैठक फरवरी, 1979 में हुई । इसने एक व्यापक दीर्घकालीन कार्यक्रम की सिफारिश की जिसमें निम्नलिखित विशिष्ट कार्य-मदें सम्मिलित थीं :-

(क) अकादमी द्वारा सहायता-अनुदान :

रंगमंच दलों को अकादमी की वित्तीय सहायता योजना की समीक्षा करते हुए, इसने सुझाव दिया कि अकादमी अपनी अनुदान नीति पर पुन: विचार करे और जिन संगठनों को अनुदान देने का विचार है, उनके कार्य का मूल्यांकन करने के लिए नए कड़े मापदण्ड निर्धारित करे । इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि बड़ी संख्या में दलों को छोटे अनुदान देने के स्थान पर कुछ चुनींदा दलों को दो अथवा तीन वर्षों की निर्धारित अवधि के लिए अनुदान रूप में पर्याप्त राशि दी जाए ।

(ख) रंगमंच कार्यशालाएं

दल ने इस बात का भी उल्लेख किया कि कुछ सुनियोजित तथा व्यवसायपरक रंगमंच कार्यशालाओं में किए जा रहे महत्वपूर्ण काम को समेकित करने तथा और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। यह सुझाव दिया गया कि आगामी वित्तीय वर्ष में, भिन्न-भिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में कम से कम चार बड़ी कार्यशालाएं आयोजित की जाएं और अकादमी उनको पर्याप्त सहायता दे।

विभिन्न रंगमंच कार्यशालाओं में शिक्षण कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के लिए, यह सुझाव दिया गया कि अकादमी ऐसे सेटों अथवा किटों की तैयारी का काम प्रायोजित करे जिनमें विभिन्न रंगमंच रूपों तथा तकनीकों पर सुप्रलेखित सामग्री हो।

(ग) प्रलेखन

यह सुझाव दिया गया कि संगीत नाटक अकादमी पारम्परिक तथा महत्वपूर्ण समकालीन रंगमंच गतिविधि के प्रलेखन के अपने कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाए तथा स्वीकृत महत्व के विभिन्न रूपों के प्रलेखन के लिए फिल्में बनाने का कार्यक्रम बनाए।

(घ) अधिसदस्यता

यह निर्णय लिया गया कि अकादमी की वर्तमान अधिसदस्यता योजना के अधीन उदीयमान युवा नाटककारों को वजीफे प्रदान किए जाएं।

(ड.) पांडुलिपि कोष

इस विषय में सहमति व्यक्त की गई कि संभावी उपयोक्ताओं को निःशुल्क मुहैया करने के लिए अप्रकाशित नाटकों की पांडुलिपियों का कोष निर्माण करने में अकादमी सहायता दे।

(च) विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान

यह कहा गया कि भारत तथा अन्य देशों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान संवर्धन की वर्तमान व्यवस्था, भारतीय रंगमंच को विनिमय कार्यक्रम में उसका उचित स्थान दिलाने में आमतौर पर असफल रही है। विदेशों में भारतीय रंगमंच के प्रति बढ़ती रुचि की तुष्टि के लिए, यह सुझाव दिया गया कि अकादमी, संस्कृति विभाग तथा भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद् के सहयोग से ऐसे आवश्यक कदम उठाए जिससे भारतीय तथा विदेशी रंगमंचों के मध्य और अधिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान किए जा सकें।

(छ) दल इस बात पर भी सहमत था कि संगीत नाटक अकादमी क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर समय-समय पर रंगमंच उत्सव आयोजित करने में सहायता दे। इसने यह भी सुझाव दिया कि संगीत नाटक अकादमी इस अवसर पर बाल रंगमंच के कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की भी योजना बनाए।

(ज) सूचना सेवा

सदस्यों का मत था कि रंगमंच गतिविधियों के सम्बंध में विश्वसनीय जानकारी तथा आंकड़े न मिलने से अत्यंत असुविधा पैदा होती है। यह सुझाव दिया गया कि अकादमी को चाहिए कि वह इस आवश्यकता को पूरा करे।

(झ) रंगमंच कलाओं के संवर्धन के लिए प्रतिष्ठान :

यह अनुभव किया गया कि इस समय देश में रंगमंच आंदोलन के प्रसार एवं विकास के लिए जितने वित्तीय साधनों की आवश्यकता है उतने उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा यह आशा भी नहीं है कि निकट भविष्य में रंगमंच की गति-विधियों के लिए उपलब्ध वित्तीय साधनों में पर्याप्त वृद्धि होगी। एक सुझाव यह भी था कि एक प्रतिष्ठान की स्थापना की जाए जिसके लिए अन्य स्रोतों के साथ-साथ प्राइवेट एवं निगमित दानियों से अंशदान करने के लिए अनुरोध किया

जाएगा । इस समय अकादमी इस प्रस्ताव पर सक्रिय विचार कर रही है ।

4. उपर्युक्त कार्यक्रम इस समय चालू है और आशा की जाती है कि और अधिक वित्तीय साधनों के साथ-साथ इसकी गति तीव्र होती जाएगी ।

राज्य अकादमियों के सचिवों की बैठक

राज्य अकादमियों के सचिवों की वार्षिक बैठक रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में 24 जून, 1978 को हुई । राज्य अकादमियों के अध्यक्षों / सभापतियों को भी बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था ।

उक्त बैठक में निम्नलिखित राज्य अकादमियों के अध्यक्षों / सभापतियों / सचिवों ने भाग लिया :

1. आंध्र प्रदेश
2. गुजरात
3. केरल
4. मध्य प्रदेश
5. कर्नाटक
6. उड़ीसा
7. राजस्थान
8. तमिलनाडु
9. उत्तर प्रदेश
10. पश्चिम बंगाल
11. मणिपुर
12. गोवा
13. हिमाचल प्रदेश

बैठक की अध्यक्षता श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय, अध्यक्षा, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली ने की ।

अध्यक्षा ने राज्य अकादमियों के अध्यक्षों /सभापतियों तथा सचिवों का स्वागत किया एवं बैठक के आमंत्रण को तुरंत स्वीकार करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया ।

अध्यक्षा ने स्पष्ट किया कि बैठक बुलाने का उद्देश्य परस्पर महत्व की समस्याओं पर विचार-विमर्श करना तथा ऐसे कार्यकलापों का संकेत देना है जो केंद्रीय तथा राज्य अकादमियों द्वारा लक्ष्य एवं अग्रताओं को ध्यान में रखते हुए शुरू किए जा सकते हैं । उसके बाद बैठक में जो विचार-विमर्श हुआ उसके अनुसार अध्यक्षा ने यह अनुभव किया कि और अधिक उद्देश्यपूर्ण कार्य व्यवस्था अमल में लाई जा सकती है । इस बात पर भी बल दिया गया कि जिन अकादमियों को अनुदान दिए गए हैं, वे अपने निष्पन्न कार्य का विस्तृत विवरण दें न कि मात्र उपयोगिता-विवरण ।

उपाध्यक्ष ने इस बात पर बल दिया कि नीति एवं कार्यक्रम के विषय में राज्य अकादमियों तथा केंद्रीय अकादमी के मध्य अधिक सार्थक सम्बंध होना चाहिए । परस्पर सम्बन्ध केवल राज्य अकादमियों द्वारा वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तुत योजनाओं पर विचार करने मात्र तक ही सीमित नहीं होना चाहिए । राज्य अकादमियों को इस स्थिति में होना चाहिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में हो रही गतिविधियों का पूरा जायज़ा ले सकें तथा इस बात की सही जानकारी दे सकें कि उपयुक्त वित्तीय सहायता तथा कलात्मक सहायता के अभाव में अभिनय कलाओं के जो रूप तेज़ी से लुप्त अथवा क्षीण हो रहे हैं उनके पोषण, परिरक्षण तथा संरक्षण के लिए क्या किया जाना चाहिए । राज्य अकादमियां इस योग्य होनी चाहिएं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में अपनी अग्रताओं को सुस्पष्ट कर सकें और साथ ही उन कार्यक्रमों को बता सकें जिनके लिए वे स्वयं वित्त व्यवस्था कर लेंगी तथा जिनके लिए उन्हें केंद्र से आर्थिक

सहायता की आवश्यकता है । तत्पश्चात् राज्य अकादमियों के प्रतिनिधियों से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में वर्तमान स्थिति की संक्षिप्त जानकारी दें तथा भावी कार्य-योजना के लिए सुझाव दें ।

आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश अकादमी पहले ही लोक प्रदर्शन कलाओं का सर्वेक्षण कर चुकी है । इसने रंगमंच संगीत पर भी काम कर लिया है तथा लोक संगीत वाद्यों के चित्र ले लिए हैं । अकादमी इस समय डिस्कों का पुस्तकालय बनाने में व्यस्त है । अकादमी किसी भी संयुक्त परियोजना में केंद्रीय अकादमी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है ।

गोवा

गोवा अकादमी ने लोक प्रदर्शन कलाओं के प्रलेखन तथा संवर्धन का कार्य किया है । प्रलेखन कार्य के सम्बन्ध में यह किसी भी कार्यकारी व्यवस्था के लिए तैयार है ।

गुजरात

गुजरात राज्य की राज्य स्तर पर बाल नाटक उत्सव एक परियोजना तथा नृत्य में संतोषजनक रूप से प्रशिक्षित छात्रों द्वारा जन प्रदर्शन आयोजित करने की एक योजना है ।

कर्नाटक

अकादमी प्रदर्शन कला के रूपों को जीवित रखने के प्रयास में लगी हुई है । अकादमी की यह समस्या थी कि भ्रमण करके प्रदर्शन करने वाले दलों को उपयुक्त रंगमंच भवनों की कमी को दूर करने के लिए पर्याप्त सुविधा प्रदान की जाए । इसके विचार में संस्कृति विभाग की भवन निर्माण अनुदानों की योजना

में संशोधन की आवश्यकता थी क्योंकि इसके वर्तमान रूप में राज्य अकादमियां, नगरपालिकाएं, स्थानीय निकाय आदि इससे लाभ नहीं उठा सकते । यह आवश्यक समझा गया कि राज्य अकादमियों तथा सार्वजनिक निकायों को भी इस योजना से लाभ उठाने की अनुमति दी जानी चाहिए ।

उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह एक संवैधानिक समस्या थी क्योंकि केंद्रीय सरकार राज्य अकादमियों के हाथ में धनराशि नहीं सौंप सकती और राज्य अकादमियों की वित्त व्यवस्था राज्य सरकारें करती हैं । फिर भी, नियम में संशोधन के लिए यह समस्या सरकार के सामने रखी जा सकती है ।

कर्नाटक अकादमी ने इस बात पर भी खेद प्रकट किया कि ग्रामीण जनता को शास्त्रीय कला रूपों को देखने तक का अवसर उपलब्ध नहीं होता, अतः इसका कोई उपाय किया जाए । अकादमी ने प्रदर्शन कलाकारों के सर्वेक्षण का सुझाव दिया ताकि एक उपयुक्त निर्देशिका निकाली जा सके ।

हिमाचल प्रदेश

जहां साहित्य के क्षेत्र में कुछ कार्य किया गया है, वहां प्रदर्शन कलाओं के मामले में बहुत ही कम अथवा कुछ नहीं किया गया है । अकादमी का एक लोक नृत्य सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव है । अकादमी का यह कहना था कि राज्य में विभिन्न संगठनों को अनुदान देने के स्थान पर बेहतर होगा यदि केंद्रीय अकादमी राज्य अकादमियों को और अधिक सहायता प्रदान करे तथा उनका मार्गदर्शन भी करे ।

केरल

केरल अकादमी ने कई कला रूपों का प्रलेखन किया है । इसके अलावा और प्रलेखन के लिए केंद्रीय अकादमी से सहायता की आशा की जाती है ।

अकादमी का यह सुझाव था कि केंद्रीय अकादमी अपनी महापरिषद् में राज्य अकादमियों का भी एक-एक प्रतिनिधि ले ।

मणिपुर

प्रत्येक राज्य अकादमी में एक प्रलेखन एकक की स्थापना पर बल दिया गया । यह अनुभव किया गया कि इस बात से बहुत सहायता मिलेगी यदि केंद्रीय अकादमी दूसरी अकादमियों के लिए एक मानक प्रतिरूप का सुझाव दे । यह सुझाव भी दिया गया कि केंद्रीय तथा राज्य अकादमियों के क्षेत्रीय कर्मचारियों की सावधिक बैठक आयोजित की जाया करे तथा केंद्रीय अकादमी वित्तीय सहायता के लिए मुख्य संगठनों का चयन बड़े पैमाने पर करने पर विचार करे ।

अकादमी ने यह भी कहा कि एक प्रतिरूप की दृष्टि से 'लाई हारोबा' जैसा उत्सव आयोजित करने का अकादमी का विचार है और यह आशा प्रकट की कि केंद्रीय अकादमी इस में सहयोग करेगी ।

मध्यप्रदेश

फ़िल्म उतारने, रिकार्ड करने तथा पोशाकें एवं संगीतवाद्यों जैसी सामग्री के संग्रह के लिए उपयुक्त प्रलेखन एकक की स्थापना को प्रमुख आवश्यकता बताया गया । कई लोक तथा कबायली पोशाकों का प्रचलन समाप्त हो रहा है । अकादमी विभिन्न क्षेत्रों में लोक संगीत का सर्वेक्षण भी करना चाहती है । मुख्य तौर पर समस्या थी विभिन्न कबायली तथा लोक बोलियों में वास्तविक कलाकारों को ढूंढना । इस सबके लिए अकादमी केंद्रीय अकादमी से वित्तीय एवं तकनीकी सहायता की आशा करती है ।

उड़ीसा

केंद्रीय अकादमी के विचारार्थ अकादमी के दो प्रस्ताव थे । एक था उड़ीसा की आधारभूत तकनीक के मानकीकरण की आवश्यकता तथा दूसरे का सम्बन्ध था छात्रों को कबायली नृत्य की शिक्षा देना ।

तमिलनाडु

अकादमी का विचार था कि यह अधिक उपयुक्त होगा यदि केंद्रीय अकादमी विभिन्न संगठनों को पैसा देने के स्थान पर राज्य अकादमियों को और अधिक धनराशि उपलब्ध कराए ।

राजस्थान

अकादमी ने राजस्थान के कुछ ज़िलों में सर्वेक्षण कार्य किया है तथा यह कार्य अभी जारी रखने का प्रस्ताव है । यदि केंद्रीय अकादमी से आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त हुई तो एक अखिल भारतीय लोक रंगमंच उत्सव आयोजित करने की भी अकादमी की योजना है । एक अन्य योजना बाल रंगमंच कार्यशाला आयोजित करने की भी है ।

उत्तर प्रदेश

अकादमी ने हाल ही में निकले अपने प्रकाशनों की जानकारी दी तथा रासलीला, नौटंकी तथा रामलीला जैसे पारम्परिक रंगमंच रूपों में से कुछेक के फ़िल्मीकरण की अपनी योजनाएं भी बताईं । अकादमी ने सर्वेक्षण तथा प्रलेखन की अपनी एक तीन वर्षीय योजना की भी जानकारी दी ।

पश्चिम बंगाल

राज्य अकादमी का वर्तमान गठन असंतोषजनक था क्योंकि इसकी कोई स्वतंत्र हैसियत नहीं है। अकादमी विश्वविद्यालय के ही एक भाग के रूप में काम करती है। सबसे प्रमुख आवश्यकता इस बात की है कि अकादमी का अपना अलग अस्तित्व तथा उपयुक्त संगठन हो।

राज्य अकादमियों के प्रतिनिधियों के विचारों की प्रतिक्रिया के रूप में केंद्रीय अकादमी के कार्यकारी सचिव तथा उपाध्यक्ष ने अपने मत व्यक्त किए। कार्यकारी सचिव ने कहा कि प्रति वर्ष होने वाली बैठकों में परिरक्षण सम्बन्धी विचारविमर्श होता है परंतु इस बात में संदेह है कि क्या राज्य अकादमियां अपने उत्तरदायित्व यथापेक्षित निष्ठा से निभाती भी हैं। परिरक्षण का अर्थ प्राय: यही लिया गया है कि रिकार्डिंग, फ़िल्मीकरण आदि माध्यम से प्रलेखन कार्य कर लिया जाए। परंतु इतना ही महत्व इस बात का है कि कला रूपों को जीवित रखने का प्रयास किया जाए तथा इस कार्य में उनका मौलिक स्वरूप नष्ट न होने पाए।

राज्य अकादमियों को केंद्रीय अकादमी से निर्देश एवं मार्गदर्शन प्राप्त हो, इस सुझाव के संदर्भ में कहा गया कि केंद्रीय अकादमी समेत सभी अकादमियां एक दूसरे से मार्गदर्शन लें क्योंकि सभी की भूमिका एक ही है। प्रत्येक अकादमी दूसरी अकादमियों को अपने कार्यकलापों से अवगत रखे ताकि कार्य अथवा प्रयासों की अनावश्यक पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि क्षेत्रीय अधिकारियों की समय-समय पर बैठकें हों तथा अंतर-राज्य आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदर्शन कला परम्पराओं की जानकारी एक-दूसरे को दी जाए - कम से कम पड़ोसी राज्यों के साथ इसका श्रीगणेश अवश्य किया जाना चाहिए।

उपाध्यक्ष ने बैठक में व्यक्त विचारों का सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने केंद्रीय अकादमी तथा राज्य अकादमियों के मध्य एवं राज्य अकादमियों में परस्पर अधिक सक्रिय और सतत सार्थक विचार-विनिमय जारी करने तथा उसको मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रश्न यह था कि एक दूसरे के अनुभव से कैसे लाभ उठाया जाए तथा एक व्यापक नीति बनाई जाए। केवल राष्ट्रीय न कि स्थानीय कलारूपों,को ही समर्थन दिया जाए, इस सुझाव पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने अपना विचार व्यक्त किया कि इस आधार पर मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा। केंद्रीय तथा राज्य अकादमियों के मार्गदर्शन के लिए एक अन्य विशेषज्ञ निकाय के गठन के सुझाव पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि अकादमियां कुल मिलाकर स्वयं एक विशेषज्ञ निकाय है। संभवत: केंद्रीय अकादमी समन्वय एजेंसी का काम कर सकती है। जहां तक इस प्रस्ताव का सम्बन्ध है कि अकादमी की महापरिषद में राज्य अकादमियों के प्रतिनिधि भी लिए जाने चाहिए, इसे महापरिषद के समक्ष रखा जाएगा।

कुछ राज्यों द्वारा किए गए प्रलेखन कार्य के सम्बन्ध में उनका मत था कि कबायली कलारूपों को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दी जा रही है और न ही प्रत्येक क्षेत्र में ऐसे कबीलों का पता लगाने का कार्य किया जा रहा है जो समाज के अत्यंत महत्वपूर्ण स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं। अत: प्रत्येक सम्बद्ध राज्य को चाहिए कि वह भारतीय नृविज्ञान सर्वेक्षण, जनगणना आयोग की रिपोर्ट, आदि की सहायता से एक मास की अवधि में, इन कबीलों की सूची तैयार करने का कार्यक्रम बनाए। संभवत: उड़ीसा तथा मध्य प्रदेश इस मामले में एक सम्मिलित कार्यक्रम बना सकते हैं। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि प्रत्येक अकादमी फिल्मीकरण, रिकार्डिंग, प्रकाशन आदि के किए गए कार्य पर एक टिप्पणी प्रस्तुत किया करे। प्रत्येक अकादमी को यह भी चाहिए कि वह प्रदर्शन कलाओं से सम्बन्धित स्थानीय उत्सवों की पूर्व सूचना

अन्य अकादमियों को दिया करे । यह निर्णय लिया गया कि इस प्रकार की जानकारी के आदान-प्रदान का कार्य तुरंत आरम्भ किया जाए ।

अंत में बैठक में निम्नलिखित संकल्प पेश तथा पारित किए गए :

(1) पारम्परिक प्रदर्शन कलाओं के परिरक्षण, विशेषकर कबायली स्तर पर; को अग्रता प्रदान की जाए । चूंकि इस उद्देश्य के लिए अकादमियों के पास उपलब्ध धनराशि पर्याप्त नहीं है, राज्य सरकारों एवं केंद्रीय सरकार से अनुरोध किया जाए कि वे विशेषकर पारम्परिक प्रदर्शन कलाओं के परिरक्षण के लिए अधिक निधियों का विनिधान करें ।

(2) प्रारम्भिक शिक्षा एवं प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में आगामी पंचवर्षीय योजना के दौरान पर्याप्त परिव्यय की व्यवस्था की जा रही है । पारम्परिक प्रदर्शन कलाओं को केन्द्र तथा राज्यों के शिक्षा कार्यक्रम में शामिल करने के प्रश्न पर विचार किया जाना चाहिए ।

(3) वास्तविक कलाकारों का पता लगाने के उद्देश्य से ग्रामीण एवं भीतरी क्षेत्रों में उत्सवों का सिलसिला जारी किया जाए तथा प्राप्त जानकारी अकादमियों के आदान-प्रदान के लिए उपलब्ध हो ।

(4) केंद्रीय अकादमी को प्रदर्शन कलाकारों को पेंशन देने की योजना आरंभ करने का यत्न करना चाहिए ।

(5) सम्बद्ध प्राधिकारियों को दूरदर्शन पर वृत्तचित्र दिखाने के शनिवार तथा रविवार के दिन बदलने के लिए प्रेरित करने के प्रयास किए जाने चाहिए क्योंकि बड़े नगरों में सामान्य सांस्कृतिक प्रदर्शनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।

(6) पुरालेखों की सूची बनाने की विधियों का मानकीकरण किया जाना चाहिए। यह सुझाव भी दिया गया कि रिकार्डिंग, फिल्मीकरण, सूचीयन आदि की प्रलेखन विधि को निर्धारित करने की दृष्टि से पुरालेख अधिकारियों की सात-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जानी चाहिए।

अंत में अध्यक्ष को धन्यवाद करने के पश्चात् बैठक समाप्त हुई।

योजनागत स्कीमें

आलोच्य वर्ष में, अकादमी ने पांचवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चालू स्कीमों को जारी रखा।

1. प्रलेखन, अनुसंधान तथा अभिलेखागार की व्यवस्था

पांचवीं पंचवर्षीय योजना में चालू स्कीम वास्तव में चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान कार्यान्वित दो योजनागत स्कीमों का ही एक जारी रूप है। इस योजना का क्षेत्र बढ़ा दिया गया है और अब डिस्क, स्लाइड-किट, चित्र, एलबम, मोनोग्राफ आदि जैसी दृश्य-श्रव्य सामग्री तैयार करके जनता में संस्कृति सम्बन्धी जानकारी के प्रसार को भी इसके अंतर्गत शामिल कर लिया गया है।

इस स्कीम के अधीन, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश के कुछ प्रमुख लोक एवं शास्त्रीय कलारूपों को चित्रित (श्याम-श्वेत तथा रंगीन स्लाइड) एवं रिकार्ड किया गया है। कुछेक की फिल्में भी बनाई गई हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, इस स्कीम के अधीन बंगलौर में अकादमी द्वारा आयोजित एक छाया रंगमंच उत्सव को रिकार्डों एवं चित्रों के रूप में प्रलेखित किया गया है।

प्रत्येक वर्ष की भांति, इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस उत्सव के दौरान प्रदर्शित लोक नृत्यों को रिकार्डों, चित्रों एवं फिल्मों के रूप में प्रलेखित किया गया है।

वर्ष के दौरान अभिलेखागार द्वारा हैदराबाद के विख्यात विद्वान मंचला श्री जगन्नाथ राव द्वारा प्रस्तुत दुर्लभ चौत्राग्नय पदम की विशेष रिकार्डिंग की गई।

अकादमी के अभिलेखागार के लिए उस्ताद हफ़ीज़ अली ख़ान द्वारा गाई गई फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ की ग़ज़लों को संगीतकार-कवि की उपस्थिति में रिकार्ड किया गया।

अभिलेखागार ने बृंदावन तथा अयोध्या की रासलीला की रिकार्डिंग की, उसकी फिल्में और चित्र लिए और उन्हें अपने संग्रह में शामिल किया।

प्रलेखित सामग्री की विस्तृत सूची "अकादमी टेप संग्रहालय शीर्षक" के अंतर्गत दी जा रही है।

सामग्री-प्रसार

अकादमी का प्रलेखन एकक भारत में अभिनय परम्पराओं के जरूरतमंद विद्वानों तथा विद्यार्थियों के अनुरोध पर रिकार्डित सामग्री, चित्रों, स्लाइडों तथा कुछ मामलों में फ़िल्मों की प्रतियां मुहैया कर के संग्रहीत सामग्री के प्रसार का काम निरंतर करता रहा है। बाहरी मांगों पर डुप्लीकेशनों को देने के अतिरिक्त अभिलेखागार समय-समय पर ऐसे शोध छात्रों और विद्वानों को पहले का रिकार्ड किया गया संगीत भी सुनवाता है, जिसके लिए वे अनुरोध करें। इसी प्रकार, अभिलेखागार ज़रूरतमंद विद्वानों एवं विद्यार्थियों के अनुरोध पर उन्हें फ़िल्म-होल्डिंग भी दिखाता है।

2. संगीत-विज्ञान अनुसंधान एकक

चौथी योजना की अवधि के दौरान इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य सरगम के विषय में तथा रागों के प्रति मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया का अध्ययन प्रारंभ करना था । बांसुरी, सारंगी, नागस्वरम, मृदंगम तथा तबला जैसे संगीत वाद्यों के सुर-लक्षणों पर अभी और आगे अनुसंधान जारी रहेगा । भौतिक, शारीरिक क्रिया तथा मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी संगीत में अनुसंधान कार्य जारी रहेगा ।

निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके सामने उल्लिखित प्रयोजन के लिए अनुसंधान अनुदान स्वीकृत किए गए और उनकी अदायगी की गई :

i) डा० के० एस० राघवेन्द्र राव को रु० 6,000.00 कर्नाटक रागों के संगीत वाद्यों के अध्ययन के लिए

ii) डा० मानस राय चौधरी को रु० 7,500.00 विभिन्न संगीत अनुभूतियों तथा सृजन दशाओं के फलस्वरूप मनो-वैज्ञानिक-शारीरिक परिवर्तन की प्रकृति की जांच के लिए

iii) श्री बालकृष्ण दाजीबा मोहिते को रु० 2,500.00 श्रुति हार्मोनियम के बनाने के लिए

भारतीय संगीत वाद्यों के अध्ययन में कम्प्यूटर टैक्नालोजी तथा गणितीय तकनीकों के प्रयोग पर मद्रास में फरवरी 25 से 28, 1979 तक एक अति सफल संगोष्ठी आयोजित की गई । संगोष्ठी का उद्घाटन संयुक्त राष्ट्र संघ के श्री सी० वी० नरसिंहन ने किया । उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता राज्यसभा सदस्य एवं भूतपूर्व उपमहा निदेशक, यूनेस्को, डा० मैल्कम आदिशेषैया ने की । संगोष्ठी का आयोजन मद्रास विश्वविद्यालय के भौतिकी एवं संगीत विभाग के सहयोग से किया गया ।

3. संगीत, नृत्य एवं नाटक में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए अध्येतावृत्ति

यह स्कीम मूलत: चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान शिक्षा मंत्रालय की ओर से चालू की गई थी । अब पांचवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इसे अकादमी की एक स्कीम के रूप में जारी रखा गया है । इस स्कीम के अंतर्गत उच्च कोटि की दक्षता प्राप्त करने के लिए विख्यात गुरुओं / संस्थाओं के अधीन उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन कलाओं के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को अध्येतावृत्तियां प्रदान की जाती हैं । अध्येतावृत्ति की राशि प्रति मास रु0 500.00 है । गुरु को भी इतनी ही राशि मिलती है । प्रत्येक अधिसदस्य को प्रतिवर्ष साज़ सामान के लिए अधिकतम रु0 1000.00 की राशि भी दी जा सकती है ।

कुचिपुडी में छह चुनींदा शिष्यों को उच्च प्रशिक्षण देने के लिए गुरु वेदांतम प्रह्लाद शर्मा को साल भर के लिए रु0 500.00 प्रति मास की अध्येता वृत्ति दी गई है ।

4. पारंपरिक प्रदर्शन कलाओं के दुर्लभ रूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण

इस स्कीम के अंतर्गत, अकादमी ने वित्तीय वर्ष के अंत में पारम्परिक रंगमंच के दो दुर्लभ रूपों को आयोजित एवं प्रस्तुत किया । ये दो रूप थे कश्मीर का भाण्ड पाथेर तथा हिमाचल प्रदेश का करियाला । इन दोनों क्षेत्रों से प्रतिनिधि मंडलियों को दिल्ली में आयोजित उत्सव में प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया । अभिलेखागार यूनिट ने फिल्मीकरण, रिकार्डिंग तथा चित्रण द्वारा इन दोनों रूपों का प्रलेखन किया ।

संरक्षण के अभाव में कई कलारूपों को " दुर्लभ " समझा तथा माना गया है और इस स्कीम के अंतर्गत अकादमी इन्हें जीवित रखने का प्रयास कर रही है । इन कला रूपों को विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम और / या

प्रदर्शन अनुदानों के माध्यम से जीवित रखा जा रहा है । वर्ष के दौरान निम्नलिखित कलारूपों को सहायता दी गई :

कुडियत्तम (केरल)
पवकुत्तु (केरल)
चामद्याचा बाहुल्य (महाराष्ट्र)
कलासूत्री बाहुल्य (महाराष्ट्र)
रणमलय (गोवा)
पटुआ (पश्चिम बंगाल)
भौना (असम)
रावण छाया (उड़ीसा)
भगवत मैला (तमिलनाडु)

कत्थक केंद्र - कत्थक संस्थान

संगीत नाटक अकादमी के अधीन चल रहा प्रशिक्षण संस्थान, कत्थक केंद्र, बहावलपुर हाउस में है । यह एक छात्रावास भी चलाती है जोकि इसी परिसर में स्थित है । 31 मार्च, 1979 को छात्रावास में 17 व्यक्ति थे ।

कर्मचारी वर्ग

निम्नलिखित गुरु / शिक्षक केंद्र के कर्मचारी वर्ग में हैं :

श्री बिरजू महाराज - कत्थक गुरु
श्री कुंदनलाल गंमानी - कत्थक गुरु
श्री मुन्ना लाल शुक्ला - कत्थक शिक्षक
श्रीमती रेबा विद्यार्थी - कत्थक शिक्षक
श्री पुरुषोत्तम दास - पखावज शिक्षक
श्री माणिक प्रसाद मिश्र - तबला शिक्षक
कु० आइरेन राय चौधरी - संगीत (ठुमरी) शिक्षक

छात्र

31 मार्च को केंद्र में 83 छात्र थ :

त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	31
विशेष नृत्य पाठ्यक्रम	12
ठुमरी	6
पखावज	5
प्रारंभिक	29
विदेशी छात्र	शून्य

नए दाखिले

वर्ष के दौरान 28 नए छात्रों ने दाखिला लिया : 9 त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में, 2 विशेष नृत्य पाठ्यक्रम में, 2 संगीत में, 1 पखावज में तथा 14 प्रारम्भिक पाठ्यक्रम में ।

छात्रवृत्तियां

केंद्र की छात्रवृत्ति योजना के अधीन 11 विद्यार्थी थे तथा युवा कर्मचारी योजना के अंतर्गत 5 भारत सरकार के छात्रवृत्ति पाने वाले थे । केंद्र ने 4 योग्य विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति दी ।

परीक्षाएं

आलोच्य वर्ष के दौरान 8 विद्यार्थियों ने त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, 12 ने विशेष नृत्य पाठ्यक्रम तथा एक ने पंचवर्षीय प्रारम्भिक पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया । वार्षिक परीक्षाओं के लिए नृत्य हेतु दो बाहरी परीक्षक (दिल्ली विश्वविद्यालय के डा० एस० के० सक्सेना तथा श्री विक्रम सिंह, निदेशक, कत्थक केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ) तथा संगीत

हेतु एक (प्रो० दिलीप चंद्र वेदी, प्रोड्यूसर एमेरिटस, आकाशवाणी, दिल्ली) थे। बाहरी परीक्षकों ने केंद्र में दिए जा रहे प्रशिक्षण के स्तर पर अपना सामान्य संतोष व्यक्त किया।

कार्यशाला

अयोध्या तथा वृंदावन के मंदिरों में तथा मंदिरों के बाहर प्रचलित कत्थक नृत्य की परम्पराओं के बीच क्या कोई सम्बन्ध है - इस प्रश्न को समझने के लिए केंद्र ने "कत्थक और उसकी मंदिर की पृष्ठभूमि" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का आयोजन डा० (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन की अध्यक्षता में हुआ। भाग लेने वालों में प्रसिद्ध संगीतकार एवं संगीत शास्त्री डा० प्रेमलता शर्मा तथा नृत्य-संगीत के विद्वान एवं लोक तथा पारम्परिक प्रदर्शन कलाओं के विशेषज्ञ यथा डा० एस० के० सक्सेना, श्री कार्तिक रामजी, श्रीमती रोहिणी भट, डा० इन्दुजा अवस्थी, श्री नेमीचंद्र जैन, श्री बिरजू महाराज, श्री कृष्णकुमार, डा० सुरेश अवस्थी, श्री राम नारायण अग्रवाल, डा० वसंत यमदाग्नि तथा अन्य थे। कार्यशाला का विशेष आकर्षण था अयोध्या मंदिर के वरिष्ठ कत्थककार श्री ओंकार प्रसाद मिश्र का व्याख्यान-प्रदर्शन। 27-3-1979 को त्रिवेणी कला संगम के ओपन एयर थियेटर में ओंकार प्रसाद मिश्र तथा साथियों द्वारा अयोध्या मंदिर के पारम्परिक कथावाचन तथा स्वामी हरिगोविंद जी के नेतृत्व में रासधारी मंडली द्वारा वृंदावन मंदिर की परम्परा के प्रदर्शन से उपस्थित जनों को इन दोनों पारम्परिक शैलियों को समझने में सहायता मिली।

बैले एकक

केंद्र के बैले एकक में निम्नलिखित कलाकार हैं :

श्रीमती भारती गुप्ता

श्री तीर्थ अजमानी

श्री प्रदीप शंकर

श्री कृष्ण मोहन मिश्र

श्रीमती गीतांजली लाल

कुमारी सरस्वती सेन

<u>कार्यक्रम</u>

अपने वार्षिक कार्यक्रम के भाग के रूप में केंद्र ने दिल्ली में निम्नलिखित बैले प्रस्तुत किए :

कृष्णायन	तीन शो
कथा रघुनाथ की	पांच शो
होरी धूम मचो री	तीन शो

केंद्र ने बसंत पंचमी के आसपास जनवरी 30, 31 तथा फरवरी 1, 1979 को बिंदादीन जयंती के सम्बन्ध में एक तीन दिवसीय प्रदर्शन का आयोजन किया । पहले दो दिन केंद्र ने "कल का कत्थक कलाकार" प्रस्तुत किया । केंद्र की सभी कक्षाओं के चुनीदा विद्यार्थियों के अतिरिक्त अन्य संस्थाओं के युवा विद्यार्थियों को भी इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया । इस प्रकार नृत्य भारती, पुणे के तीन विद्यार्थियों तथा गंधर्व महाविद्यालय, दिल्ली के एक विद्यार्थी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसकी दिल्ली के समाचार-पत्रों के सभी समीक्षकों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की । तीसरे दिन केंद्र ने बैले रूपों में से दृश्य प्रस्तुत किए ।

उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित प्रायोजित कार्यक्रम भी किए गए :

अप्रैल 18, 1978 को राष्ट्रपति भवन में मुग़ल युगलगान

नवम्बर 2, 1978 को अशोक होटल में शाही महफ़िल

जनवरी 6, 1979 को फ़िक्की हाल में शाही महफ़िल

जनवरी 12, 1979 को दीवाने आम, लाल किला में कत्थक
नृत्य कार्यक्रम

मार्च 13, 1979 को राष्ट्रपति भवन में कत्थक नृत्य कार्यक्रम

मार्च 4, 1979 को दूरदर्शन केंद्र में फागुन-के-दिन-चार

मार्च 9, 1979 को राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम

बैले एकक ने निम्नलिखित विवरण के अनुसार दिल्ली के बाहर भी कार्यक्रम प्रायोजित किए :

भिलाई - अगस्त 30, 31, 1978 को कृष्णायन

कानपुर - फ़रवरी 10, 1979 को नृत्य कार्यक्रम

नाथद्वारा - फ़रवरी 26 तथा 27, 1979 को नृत्य कार्यक्रम

प्रायोजित विदेश यात्राएं

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् के निमंत्रण पर बैले यूनिट की एक नर्तकी कुमारी सरस्वती सेन ने मई 20 तथा जून 2 के मध्य जापान के विभिन्न नगरों में नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए ।

संस्कृति विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के निमंत्रण पर केंद्र के बैले एकक ने सितम्बर 17 से 29, 1978 के बीच सीरिया, अबू ज़ाबी तथा अदन का दौरा किया ।

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् के ही निमंत्रण पर बैले एकक ने जनवरी 22 तथा 29, 1979 के मध्य नेपाल का दौरा किया ।

नई सलाहकार समिति

संगीत नाटक अकादमी के अधिशासी मंडल ने दिसम्बर 15, 1978 को हुई अपनी बैठक में केंद्र की सलाहकार समिति का पुनर्गठन निम्नलिखित रूप में किया :

अध्यक्ष : डा० (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन

सदस्य : श्री मोहनराव कल्लियाणपुरकर

डा० (कु०) प्रेमलता शर्मा

श्रीमती कुमुदिनी लखिया

श्रीमती रोहिणी भट

श्री बिरजू महाराज

सचिव, संगीत नाटक अकादमी, तथा

सहायक सचिव (नृत्य), संगीत नाटक अकादमी।

सात फरवरी को हुई अपनी पहली बैठक में पुनर्गठित सलाहकार समिति ने निर्णय लिया कि केंद्र के शिक्षण कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए यह अनिवार्य कर दिया जाए कि विद्यार्थी केंद्र में कम से कम छह घंटे प्रतिदिन बिताए जिसमें वे नृत्य, वादन एवं तबला दोनों प्रकार के संगीत, सिद्धांत कक्षाओं में उपस्थित रहें, पुस्तकालय जाएं तथा कम से कम दो घंटे के लिए नृत्य का कठोर अभ्यास करें। समिति ने शिक्षण पाठ्यक्रम को भी निम्न प्रकार से पुनर्गठित करने का निर्णय लिया :

त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

द्विवर्षीय विशेषीकरण

छहमासीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम

प्रारम्भिक पाठ्यक्रम

समिति ने यह निर्णय भी लिया कि दोनों घरानों की नृत्य शैलियों का परिचय प्राप्त करना उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य कर दिया जाए।

निदेशक श्री गोपाल दास के सेवा निवृत्त हो जाने पर, श्री गोविंद विद्यार्थी ने अगस्त 11, 1978 को कत्थक केंद्र के कार्यकारी निदेशक का कार्यभार संभाला।

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल ने संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के अधीन अपने 22 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

अकादमी की स्थानीय सलाहकार समिति निम्नलिखित सदस्यों की सहायता से संस्था के नीति कार्यक्रम तैयार करती है :-

श्री एल0 पी0 सिंह, राज्यपाल, मणिपुर	-	अध्यक्ष
श्री ई0 नीलकांत सिंह	-	उपाध्यक्ष
श्रीमती एम0 के0 विनोदिनी देवी, सचिव, ज0 न0 म0 ना0	-	पदेन सदस्य
सचिव (शिक्षा), मणिपुर सरकार	-	सदस्य
श्री ए0 मिनाकेतन सिंह	-	,,
श्री आर0 के0 प्रियगोपालसन, प्रिंसिपल, ज0 न0 म0 ना0	-	,,
श्री अबोगबम काबुई, शिक्षक प्रतिनिधि, ज0 न0 म0 ना0	-	,,
मणिपुर सरकार द्वारा नामित एक व्यक्ति	-	,,

कर्मचारी वर्ग एवं छात्र

अकादमी के शिक्षकों की कुल संख्या 28 है।

रु0 100.00 प्रति मास की पांच छात्रवृत्तियां योग्य छात्रों को देने की योजना 1969 से चल रही है। वर्ष 1976 से संकीर्तन विभाग के लिए तीन और छात्रवृत्तियां शुरू की गई हैं। योग्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए योग्यता छात्रवृत्तियों की संख्या में भी इस प्रकार वृद्धि की गई है :

डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए छह तथा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए दो। छात्रवृत्तियों की व्यवस्था परिमल अकादमी, बम्बई द्वारा दान में दी गई रु0 25,700.00 की राशि पर संचित ब्याज से की गई। कुमारी सविता एन0 मेहता द्वारा दिया गया स्वर्णपदक त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रदान किया जाता है।

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी के वरिष्ठ गुरु श्री ख0 गुलापी सिंह ने संकीर्तन डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रतिवर्ष पुरस्कार प्रदान करने के लिए रु0 5,000.00 की राशि दान दी। यह पुरस्कार उनके नाम पर दिया जाएगा तथा इसकी व्यवस्था उनके द्वारा प्रदत्त राशि पर मिलने वाले ब्याज से होगी।

श्री दीपक कुमार सरकार, सहायक इंजीनियर, जलपूर्ति उपमंडल, मणिपुर ने भी रास विभाग के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रतिवर्ष स्वर्णपदक प्रदान करने के लिए रु0 5,000.00 की राशि दान दी। यह स्वर्णपदक उनकी स्वर्गीय पत्नी श्रीमती बुबू सरकार के नाम पर दिया जाएगा तथा उसकी व्यवस्था उनके द्वारा प्रदत्त राशि पर मिलने वाले ब्याज से होगी।

उपस्थिति पंजी में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (नृत्य)	-	82
प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (संकीर्तन)	-	12
डिप्लोमा पाठ्यक्रम (नृत्य)	-	31
डिप्लोमा पाठ्यक्रम (संकीर्तन)	-	16
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	-	91
कुल		232

वर्ष 1978-79 के लिए अकादमी ने संगीत नाटक अकादमी से योजनेतर स्कीमों के लिए रु0 3,45,000.00 तथा योजनागत स्कीमों के लिए रु0 1,2[illegible],000.00 तथा मणिपुर राज्य कला अकादमी, इम्फाल से रु0 5,000.00 प्राप्त किए।

अकादमी के कर्मचारियों को मणिपुर सरकार द्वारा स्वीकृत केंद्रीय दरों पर महंगाई भत्ता 1-1-1978 से दिया गया। परंतु केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी की वित्तीय संस्वीकृति प्राप्त न होने के कारण मकान किराया भत्ता की अदायगी रोक दी गई।

मणिपुरी बैले एकक

आलोच्य वर्ष के दौरान, बैले एकक ने दो बैले प्रस्तुत किए, (क) शारिक मखोल, श्री ठा0 तरुण कुमार सिंह, गुरु ज0 ने0 मणिपुर नृत्य अकादमी तथा (ख) थोइबी, श्री ठा0 चाओतोम्बो सिंह, श्रीमती एस0 तोंदन देवी तथा कु0 ठा0 सूर्यमुखी देवी।

नवम्बर, 1977 में संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली ने तीन मुख्य नगरों - दिल्ली, बम्बई तथा कलकत्ता में पहले ही प्रस्तुत किए गए बैले के लिए रु0 25,000.00 की मंजूरी प्रदान की। श्री आर0 के0 प्रियगोपालसन के नेतृत्व में मंडली के प्रदर्शन की प्रशंसा हुई। कलाविदों द्वारा मंगसत, कबुई-केई-ओइबा तथा नोंगदोन लोइमा तथा एकक की सराहना की गई।

तमिलनाडु के अंतर्राज्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान में शिक्षण वर्ग के 32 सदस्यों की एक अन्य मंडली ने भाग लिया। इसका नेतृत्व जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी की सचिव श्रीमती एम0 के0 विनोदिनी देवी ने किया।

बैले एकक ने अंतर्राष्ट्रीय टाइगर सिम्पोजियम में प्रदर्शन करने के उद्देश्य से फरवरी, 1979 में नई दिल्ली की भी यात्रा की। इसका नेतृत्व

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी के प्रिंसिपल श्री आर० के० प्रिय-गोपालसन ने किया।

बजट एवं लेखे

योजनेतर एवं योजनागत कार्यकलाप सम्बन्धी व्यय वहन करने के लिए अकादमी संस्कृति विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से सहायता अनुदान प्राप्त करती है। वर्ष 1978-79 के लिए योजनेतर एवं योजनागत व्यय के सम्बन्ध में अकादमी का कुल बजट इस प्रकार था :

	बजट अनुमान 1978-79	संशोधित अनुमान 1978-79
योजनेतर	रु० 25,18,000	रु० 26,15,000
योजनागत	रु० 8,00,000	रु० 8,40,000

संगीत नाटक अकादमी तथा इसके अन्य एककों, नामत: जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल तथा कत्थक केंद्र, नई दिल्ली से सम्बन्धित वर्ष 1978-79 के लिए प्राप्तियों एवं अदायगियों का विवरण परिशिष्ट IV IV (क), V , V (क) तथा VI , VI (क) में है।

-0-

परिशिष्ट-।

महा परिषद् के सदस्य

(31 मार्च, 1979 को)

अध्यक्ष

1- श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय,
20 कैनिंग लेन,
नई दिल्ली-110001

वित्तीय सलाहकार

2- श्री जे०ए० कल्याणकृष्णन,
भारत सरकार के
वित्तीय सलाहकार,
संस्कृति विभाग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-110001

भारत सरकार द्वारा नामित पांच व्यक्ति :

3- श्री तरुण राय,
टेली प्रिन्सस इंडिया,
31-ए, चक्रबेरिया रोड (साउथ),
कलकत्ता-700025

4- श्रीमती कलानिधि नारायणन,
टी-26 ए, एचआईजी फ्लैट्स,
32वां क्रास, सेंट बेसेंट नगर,
मद्रास-600090

5- श्री जे०जे० भाभा,
प्रभारी न्यासी,
राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केन्द्र,
चौथा फ्लोर, बंबई हाउस,
होमी मोदी स्ट्रीट,
बंबई-400023

6- श्री हबीब तनवीर,
एल-15- डी०डी०ए० स्टाफ क्वार्टर्स,
बेर सराय, नई दिल्ली-19

7- श्री देवीलाल सामर,
संस्थापक निदेशक,
भारतीय लोक कला मंडल,
उदयपुर-313001

प्रत्येक राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र द्वारा नामित एक व्यक्ति :

आंध्र प्रदेश :

8- श्री के०वी० गोपालस्वामी,
16-2-146/ए/1, न्यू मालापेट,
हैदराबाद-500036

अरुणाचल प्रदेश

9- श्री एम0पी0 हजारिका,
निदेशक,
सूचना तथा जन संपर्क,
अरुणाचल सरकार, शिलांग

असम

10- श्री आर0 बरुआ,
सांस्कृतिक मामलों के निदेशक,
असम सरकार, रवींद्र भवन,
गोहाटी-781001

बिहार

11- श्री श्यामानंद सिन्हा,
चंपानगर ड्योढ़ी
बनेली, पी0 ओ0 जिला,
पूर्णिया (बिहार)

दिल्ली

12- श्री दयाप्रकाश सिन्हा,
सचिव,
साहित्य कला परिषद,
4/6 बी- आसफ अली रोड,
नई दिल्ली-110001

गोवा, दमन, दीव

13- श्री जाल्वो केनी,
रायबंदर, पणजी
[illegible] - गोवा

गुजरात

14- प्रो0 मकरंद भट्ट,
3- अध्यापक निवास,
प्रताप गंज, बड़ौदा

हरयाणा

15- श्री राजाराम शास्त्री,
सचिव,
हरयाणा लोक मंच,
74- यू0बी0 जवाहर नगर,
दिल्ली-110007

जम्मू और कश्मीर

16- श्री सोमनाथ [illegible] साधू,
स्टेशन निदेशक,
आकाशवाणी,
लेह (लद्दाख)

कर्नाटक
- - --

17- श्री अनिरुद्ध देसाई,
कन्नड़ तथा संस्कृति निदेशक,
कर्नाटक सरकार,
14/3-ए, नृपथंगा रोड,
बंगलौर-1

केरल
- - -

18- श्री वैक्रम चंद्रशेखरन नायर,
अध्यक्ष, केरल संगीत नाटक अकादमी,
त्रिचुर-680001

मध्य प्रदेश
- --- -

19- श्री अशोक वाजपाई,
सचिव,
मध्य प्रदेश कला परिषद,
ललित कला भवन, टैगोर मार्ग,
भोपाल-462003

मणिपुर
- - - -

20- प्रो0 ई0 नीलकांत सिंह,
सचिव, राज्य कला अकादमी,
इम्फाल

मेघालय
-- - -

21- श्रीमती ई0एन0शुल्लै
निदेशक, कला तथा संस्कृति
शिक्षा निदेशालय,
मेघालय सरकार, शिलांग

नागालैंड
- - - -

22- श्री एम0अलेम चिबा आओ,
संयुक्त निदेशक,
कला तथा संस्कृति
नागालैंड सरकार,
कोहिमा (नागालैंड)

उड़ीसा
- - - -

23- श्री मनोरंजन दास,
सचिव,
उड़ीसा संगीत नाटक अकादमी,
म्यूजियम बिल्डिंग्स,
भुवनेश्वर-751006

पंजाब
- - -

24- श्री भगवानदास सैनी,
संगीत प्रवीण,
म0नं0 1120, सेक्टर-18-सी,
चंडीगढ़

राजस्थान

25- श्री जगन्नाथ सिंह मेहता,
शिक्षा [illegible], आयुक्त,
राजस्थान सरकार,
जयपुर

तमिलनाडु

26- श्री डी०वी० नारायणस्वामी,
सचिव, तमिलनाडु,
इयाल ईसाई नाटक मनरम,
"थेंडुल" ग्रीनवेज रोड,
मद्रास-600028

उत्तर प्रदेश

27- नीतिन मंगलदास मजूमदार,
आयुक्त तथा मुख्य मंत्री के सचिव,
सांस्कृतिक मामलों का विभाग,
उत्तर प्रदेश सरकार,
कांउसिल हाउस, लखनऊ (यू०पी०)

पश्चिम बंगाल

28- श्री हेमंत कुमार,
मुखोपाध्याय
6, चरत चटर्जी
एवेन्यु, कलकत्ता-700029

शिक्षा मंत्रालय का प्रतिनिधि :

29- श्री अजय शंकर,
उपसचिव,
संस्कृति विभाग, भारत सरकार,
नई दिल्ली

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधि :

30- श्री एस०यू० शर्मा,
संयुक्त सचिव (प्रसारण),
सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली

साहित्य अकादमी के दो प्रतिनिधि :

31- डा० आर०एस० केलकर,
सचिव, साहित्य अकादमी,
रवींद्र भवन, नई दिल्ली

32- प्रो० वसंत बापत
[illegible] तुल्ल कुंज, 11वीं रोड
आर, बंबई-52

ललित कला /अकादमी के दो प्रतिनिधि :

33- श्री आर०एल० बारथोलोम्यू,
सचिव, ललित कला अकादमी,
रवींद्र भवन, नई दिल्ली

3[illegible]- [illegible]

34. रिक्त

नियम 4 VII और 4 IX के अधीन सहयोजित 12 व्यक्ति :

- - - - - - - - - - - - -

35- डा० मल्लिकार्जुन मंसूर,
संगीत के प्रोफेसर,
कर्नाटक विश्वविद्यालय,
धारवाड़

36- श्री नासिर अमीनुद्दीन डागर,
72-ए, जतीन दास रोड,
कलकत्ता-700029

37- श्री अंतशेर लोबो,
46, पर्नबेज स्ट्रीट,
बंबई-400001

38- श्री ईमणि शंकर शास्त्री,
7, मार्केट रोड,
नई दिल्ली-110001

39- श्री मदुराई एस० सोमसुन्दरम
नं०-3, 1 मेन रोड,
लेक एरिया, नुगम्बाक्कम,
मद्रास-600034

40- डा० प्रेमलता शर्मा,
संगीत विद्या विभाग,
संगीत तथा ललित कला संकाय,
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी-221005

41- श्री मोहनराव कल्लियानपुरकर,
राष्ट्रीय प्रदर्शन कला केन्द्र,
नारीमन प्वाइंट, मैरीन ड्राइव,
बंबई-400021

42- श्रीमती सोनाल मानसिंह,
सी-304, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली-110024

43- श्री धीरेन्द्रनाथ पट्टनायक,
सहायक सचिव, उड़ीसा
संगीत नाटक अकादमी,
म्यूजियम बिल्डिंग्स,
भुवनेश्वर-751006

44- श्री बंसीलाल कौल,
सैयद अली अकबर फतह कादल
श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर)

45- डा० एच०के० रंगनाथ,
49, 1 मेनमारथि एक्सटेंशन
श्री रामपुरम बंगलौर-560021

46- रिक्त नियम 4 IX
के अधीन सहयोजित :

नियम 4 के अधीन सहयोजित :

- - - - - - - - - - - - -

47- डा० पी०एन० पुष्प,
43 गौगजी बाग,
श्रीनगर-190001

48- डा० (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन,
डी-1/23, सत्यमार्ग,
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021

49- श्रीमती मृणालिनी साराभाई,
दर्पण/ [illegible] कला अकादमी, /प्रदर्शन
चिदम्बरम, पी०ओ० आश्रम विस्तार,
अहमदाबाद-380013

50- श्री बी०एन०के० शास्त्री,
42, सेकण्ड क्रास श्रीपुरम,
बंगलौर-560020

51- श्री सिंहजीत सिंह,
निदेशक, त्रिवेणी [illegible] बैले
त्रिवेणी कला-संगम 205 तानसेन
मार्ग, नई दिल्ली-110001

52- श्री पार्वती कुमार,
वी-6, गणेश प्रसाद,
सिलीटर रोड, बंबई-400007
नई दिल्ल

53- श्रीमती सुलमा देश पांडे,
3/44, माधवी साहा निवास,
मुगल लेन, माहिम,
बंबई-400016

54- डा० महेश्वर नियोग,
गुरु गोविन्द सिंह भवन,
पंजाबी विश्वविद्यालय,
पटियाला (पंजाब) 147002

परिशिष्ट-II

वर्ष 1978-79 के दौरान स्वीकृत संस्थाओं को अनुदान

क्रम संख्या	संस्था का नाम	संस्तुत राशि (रु०)	प्रयोजना
1	2	3	4
आंध्र प्रदेश			
1-	श्री सिद्धेंद्र कलाक्षेत्रम, कुचीपुडी	16000	कुचीपुडी के प्रशिक्षण के लिए (केवल शिक्षकों का वेतन) (मोचित राशि रु० 15100/-)
असम			
1-	संगीत सत्र, गोहाटी	5000	गत अनुदान (1976-77) के निर्णीत होने पर अकादमी द्वारा अनुमोदित की जाने वाली अनुसंधान परियोजना के लिए ।
2-	सिलचर संगीत विद्यालय, सिलचर	5000	शिक्षकों के वेतन के लिए बशर्ते कि 1975-76 में प्रदत्त अनुदान के लेखाओं का निपटान हो जाए ।
बिहार			
1-	श्री कलाक्षेत्र नृत्य तथा संस्कृति केन्द्र, सरायकेल्ला	5000	शिक्षकों के वेतन के लिए बशर्ते कि संस्था अपने आपको पंजीकृत करा ले ।

1	2	3	4
2-	विद्या कला मंदिर, पटना	5000	संगीत (विद्यापति के पद) के प्रलेखन के लिए । अकादमी द्वारा योजना का अनुमोदन किए जाने के बाद अनुदान दिया जाएगा ।
3-	भारतीय कला मंदिर, पालामऊ	2000	संगीत वाद्यों की खरीद के लिए
	दिल्ली (संघ राज्य क्षेत्र)		
1-	भारतीय संगीत सदन, नई दिल्ली	5000	शिक्षकों के वेतन के लिए
2-	नटराजन कठपुतली थियेटर, नई दिल्ली	2000	लोक रामलीला प्रस्तुत करने के लिए
3-	गंधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली	9000	गायकवृंद के लिए (शिक्षकों का वेतन तथा मानदेय)
4-	बंग भारती संगीत संस्थान, बंगाल एसोसिएशन, नई दिल्ली	3000	प्रशिक्षण के लिए (शास्त्रीय तथा पारम्परिक बंगाली गीतों और लोक गीतों का समाकलित पाठ्यक्रम) । लेकिन इससे पहले पिछले अनुदानों के लेखाओं निपटान किया जाएगा ।

1	2	3	4
5-	नृत्यरचना नाट्य संस्थान, नई दिल्ली	8000	शिक्षकों के वेतन के लिए
6-	अंतर्राष्ट्रीय कथकली केन्द्र, नई दिल्ली	7000	नियमित शो के खर्च पूरे करने के लिए
7-	अभियान, नई दिल्ली	7000	एक नया नाटक प्रस्तुत करने के लिए
8-	श्रीराम भारतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली	9000	मयूरभंज छाओ नृत्य के गुरू के वेतन के लिए रु० 6000/- और मयूरभंज छाओ नृत्य के ढोलकी के वेतन के लिए रु० 3000/- बशर्तें कि इसी प्रयोजन के लिए संस्कृति विभाग से कोई सहायता नहीं मिली हो। इसके अलावा यहां मयूरभंज छाओ अनुभाग के लिए अकादमी की तरफ से दी जाने वाली यह अंतिम सहायता होगी। इसके बाद अकादमी इन शिक्षकों को किसी अन्य संस्था से संलग्न कर देगी।
9-	मणिपुरी ललित कला केन्द्र, नई दिल्ली	3000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण और पोशाक खरीदने के लिए 2

1	2	3	4
10-	दिल्ली बाल थियेटर, नई दिल्ली	6000	नृत्यरचनाकारों तथा संगीतकारों के वेतन के लिए
11-	क्रेकटियन मिरर, नई दिल्ली	2000	एक नाटक प्रस्तुत करने के लिए
12-	दिल्ली संगीत स्कूल, नई दिल्ली	5000	संगीत वाद्यों की खरीद तथा उनकी मरम्मत के लिए
13-	पर्वतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली	3000	लोक नृत्य मंडली को प्रोत्साहित करने के लिए (पोशाक, पूर्वाभ्यास तथा कलाकारों के मानदेय का व्यय उठाते हुए)
14-	त्रिवेणी कला संगम, नई दिल्ली	7500	संगीत तथा नृत्य शिक्षकों के वेतन के लिए (भरत नाट्यम)
15-	यात्रिक, नई दिल्ली	3500	स्कूल अध्यापकों के वास्ते सृजनात्मक नाटक कार्यशाला के लिए । पहली किस्त दी जा चुकी है (रु० 1750/-)
गुजरात			
1-	कादम्ब, अहमदाबाद	7500	शिक्षकों के वेतन के लिए रु० 5000/- और अतिथि गुरुओं के मानदेय के लिए रु० 2500/-

1	2	3	4
2-	दर्पण, अहमदाबाद	5000	कठपुतली अनुभाग के खर्च के लिए
3-	भरत नाट्य पीठ, अहमदाबाद	10000	"शकुंतला" नाटक प्रस्तुत करने के लिए आर्थिक सहायता
4-	श्री रंग मिलन कला मंडल, अहमदाबाद	2500	सर्वेक्षण के खर्च के लिए बशर्ते कि पिछले वर्ष किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए ।
हरयाणा			
1-	हरयाणा लोक मंच, तोहाना, हिसार	5000.	स्वांग तथा हरयाणवी लोक गीतों के सर्वेक्षण के लिए बशर्ते कि राज्य सरकार इसके लिए सिफारिश करे ।
कर्नाटक			
1-	मैसूर शिक्षा, संस्कृति तथा सेवा संस्था, मैसूर	5000	गुरु कोगा कामथ के वेतन के लिए
2-	कर्नाटक गान कला परिषद, बंगलौर	17000	नवें संगीतकार सम्मेलन के आयोजन के लिए रु0 10000/- और जावली सम्मेलन और उसकी रिकार्डिंग के लिए रु0 7000/-

1	2	3	4
3-	बंगलौर गायन समाज, बंगलौर	3000	नवें संगीत सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञ समिति की बैठक का खर्च पूरा करने के लिए ।
4-	यक्षगान केन्द्र, उदीपी	10000	शिक्षकों के वेतन के लिए, बशर्ते कि संस्कृति विभाग द्वारा उन शिक्षकों की सहायता नहीं जाती हो ।
5-	मीनाक्षी सुंदरम अभिनय कला केन्द्र, बंगलौर	7500	भरत नाट्यम में प्रशिक्षण (केवल शिक्षकों का वेतन)
6-	श्री नीलकांतेश्वर नाट्य सेवा संघ, शिमोगा	3000	संघ के पुस्तकालय के वास्ते नाट्यशास्त्र पर पुस्तकें खरीदने के लिए
7-	हंगारकत्ता यक्षगान कला केन्द्र, बारकत्ता	5000	यक्षगान में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन तथा छात्रों के लिए वजीफे)
केरल			
1-	उन्नायी वेरियर स्मारक कला निलयम, इरिन जलकुड़ा	18000	शिक्षकों के वेतन तथा नई पोशाकों के लिए
2-	विश्वकला केन्द्र, त्रिवेंद्रम	9000	ओट्टान्थुल्लाल और वेलाक्ली में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन और छात्रों के वजीफे)

1	2	3	4
3-	गांधी सेवा सदन कथकली तथा क्लासिक कला अकादमी, पालघाट डिस्ट्रिक्ट	5000	कथकली में प्रशिक्षण (केवल शिक्षकों का वेतन)
4-	मार्गी, त्रिवेंद्रम	7000	संगीत नाटक अकादमी द्वारा मोनोग्राफ के प्रकाशन के लिए भूमि तथा निर्माण के नक्शों समेत सभी कथकलियों के पूरे फोटो प्रलेखीकरण के लिए ।
मध्य प्रदेश			
1-	कला मंदिर, ग्वालियर	3000	ध्वनि तथा प्रकाश उपस्कर खरीदने के लिए
2-	आर्टिस्ट स्टेज कम्बाइन, ग्वालियर	3000	हिंदी नाटक प्रस्तुत करने के लिए
3-	शंकर गंधर्व महाविद्यालय, ग्वालियर	4000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (केवल शिक्षकों के वेतन के लिए)
महाराष्ट्र			
1-	कला छाया, पुणे	6000	कथक नृत्य में प्रशिक्षण के लिए (अतिथि गुरुओं के मानदेय समेत शिक्षकों का वेतन)
2-	संगीत महाभारती, बंबई	5000	तबला में उच्च प्रशिक्षण के लिए

1	2	3	4
3-	लिटिल थियेटर (बाल रंग भूमि), बंबई	3000	बच्चों का/नाटक प्रस्तुत करने/एक के लिए
4-	आविष्कार, बंबई	5000	बालथियेटर पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण के लिए
5-	उदय शंकर बैले मंडली, बंबई	4500	एक नया बैले प्रस्तुत करने के लिए
6-	रंगशारदा प्रतिष्ठान, बंबई	5000	सम्पूर्ण मराठी नाटक प्रस्तुत करने के लिए बशर्ते कि श्री पी०एल० देशपांडे इसकी सिफारिश करें
7-	नृत्य भारती कथक नृत्य अकादमी, पुणे	9000	कथक में प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
8-	नालंदा नृत्य अनुसंधान केन्द्र, बंबई	5000	शास्त्रीय नृत्य में प्रशिक्षण के लिए
9-	श्री शिवानंद संगीत महाविद्यालय, वर्धा	2000	संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
10-	भारतीय राष्ट्रीय थियेटर, बंबई	10000	महाराष्ट्र की लोक प्रदर्शन कला के सर्वेक्षण के लिए
11-	अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल, बंबई	7500	10वें अखिल भारतीय संगीत शिक्षक सम्मेलन के आयोजन के लिए । यह राशि तभी दी जाएगी जब पिछले अनुदानों के लेखाओं का निपटान हो जाए ।

1	2	3	4
12-	गायन वादन विद्यालय, नांदेड़	4000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण के लिए (संगीत शिक्षकों का वेतन बशर्ते कि अपेक्षित जानकारी प्रस्तुत कर दी जाए)
13-	बाल नाट्य, बंबई	3000	बच्चों का एक नाट्य प्रस्तुत करने के लिए
मणिपुर			
1-	थियेटर केन्द्र मणिपुर, इम्फाल	1500	प्रशिक्षण तथा प्रस्तुतीकरण के लिए । लेकिन इसमें शर्त यह होगी कि 1974-75 से 1976-77 तक दिए गए अनुदानों के प्रलेख प्रस्तुत किए जाएं
2-	कलाक्षेत्र, मणिपुर, इम्फाल	5000	आवासी थियेटर परियोजना को आयोजित करने के लिए
3-	श्री श्री गोविंदजी नर्तनालय, इम्फाल	2000	शिक्षकों के वेतन के लिए
4-	गुरु अम्बु नृत्य विद्यालय, इम्फाल	3000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
5-	वृंदगान रिपर्टरी थियेटर, इम्फाल	5000	एक नाटक (श्री राम थियाम द्वारा रचित) प्रस्तुत करने के लिए बशर्ते कि 1976-77 में दिए गए अनुदान के प्रलेख प्रस्तुत कर दिए जाएं ।

1	2	3	4
6-	मेटेई लीला जात्रा-कम-ड्रामा एसोसिएशन, इम्फाल	1500	पुरानी जात्रावली को प्रस्तुत करने तथा उसके प्रशिक्षण के लिए बशर्ते कि पिछले अनुदानों के प्रलेख प्रस्तुत कर दिए जाएं ।
7-	मणिपुर संगीत नाट्य महा-विद्यालय, इम्फाल	2000	काबुई नृत्य-नाटक में प्रशिक्षण और उसको प्रस्तुत करने के लिए
8-	हुयेन लालोंग मणिपुर थंग-टा सांस्कृतिक संघ, इम्फाल	3000	पोशाक तथा वाद्य खरीदने के लिए

उड़ीसा

1	2	3	4
1-	मयूरभंज छाऊ नृत्य प्रतिष्ठान, बारीपाड़ा	7500	मयूरभंज छाऊ नृत्य में प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन तथा छात्रों के वज़ीफे) । लेकिन इसमें शर्त यह होगी कि पिछले अनुदानों का निपटान कर दिया जाए और नए कलाकारों का एक सैट भर्ती किया जाए ।
2-	नरेन्द्रपुर कला विकास केन्द्र, नरेन्द्रपुर	3000	वेतन, वजीफे और पोशाक तथा संगीत वाद्यों की खरीद समेत प्रशिक्षण तथा प्रदर्शनों के जरिए लोक नृत्य मंडली को प्रोत्साहन देने के लिए

1	2	3	4
3-	श्यामसुंदर संगीत महाविद्यालय, पुरी	3000	परवावज में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन) बशर्ते कि पिछले अनुदानों के प्रलेख प्रस्तुत कर दिए जाएं ।
4-	स्वर्णचूड संस्थान, राजनीलगिरि	1500	छाऊ नृत्य में प्रशिक्षण बशर्ते कि पिछले अनुदानों के प्रलेख प्रस्तुत किए जाएं ।
5-	कला विकास केन्द्र, कटक	8000	शिक्षकों के वेतन तथा छात्रों के वजीफे के लिए
6-	अंतर्राष्ट्रीय थियेटर, भुवनेश्वर	2000	प्रादेशिक भाषा में नाटक प्रस्तुत करने के लिए
7-	कवि चंद्र कला केन्द्र, राउरकेला	1500	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए (गुरुओं का वेतन)
8-	भुवनेश्वर कला केन्द्र, भुवनेश्वर	1000	ओडिसी संगीत तथा नृत्य में प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
9-	गांधीजी संगीत कला मंदिर, गंजम	2000	परवावज में प्रशिक्षण
पंजाब			
1-	राजेश्वरी कला संगम, जलंधर	2000	संगीत में प्रशिक्षण (मूक और बधिर छात्रों के लिए)

1	2	3	4
2-	प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़	2500	नृत्य में प्रशिक्षण, बशर्ते कि पिछले अनुदानों के प्रलेख प्रस्तुत किए जाएं ।
राजस्थान			
1-	राष्ट्रीय थियेटर सोसाइटी, बीकानेर	2000	एक नाटक प्रस्तुत करने के लिए
2-	एकलव्य थियेटर सोसाइटी, जोधपुर	2500	एक राजस्थानी नाटक प्रस्तुत करने के लिए
3-	भारतीय लोक कला मंडल, उदयपुर	4000	कठपुतली नाटक - "सिंहासन बत्तीसी" प्रस्तुत करने के लिए बशर्ते कि पिछले अनुदानों के प्रलेख प्रस्तुत कर दिए जाएं ।
4-	दर्पण, जयपुर	2500	बच्चों का थियेटर - [illegible] खेल -व- कार्यशाला लगाने के लिए
5-	संगीत कला केन्द्र, भीलवाड़ा	4000	"गैर लोक नृत्य समारोह" आयोजित करने के लिए बशर्ते कि पिछले अनुदानों के प्रलेख प्रस्तुत कर दिए जाएं

1	2	3	4
6-	मीरा कला मंदिर, उदयपुर	3000	पेशेवर संगीतज्ञों विशेषतः महिलाओं (यथा उदयपुर की लङ्गाई) द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले उदयपुर के पारम्परिक संगीत के सर्वेक्षण के लिए
7-	कला भारती, अलवर	3000	गुरु चरण गिरधर चंद के वेतन के लिए
तमिलनाडु			
1-	तमिल ईसाई संगम, मद्रास	6500	प्राचीन तमिल संगीत के शिक्षण के लिए
2-	कला क्षेत्र, मद्रास	20000	नृत्य शिक्षकों के वेतन तथा साज-सामान की खरीद के लिए
3-	नर्तन कला निलयम, मद्रास	6000	नृत्य नाटक - "उपगुप्तम तथा वासवदत्ता" प्रस्तुत करने के लिए
4-	श्री तीर्थ नारायण स्वामीगल आराधना समारोह समिति, तंजावूर जिला	2000	तरंगम गायन में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
5-	आई0एन0ए0 थियेटर, मद्रास	3000	एक तमिल नाटक प्रस्तुत करने के लिए लेकिन इसके लिए श्री एस0डी0 शर्मा का अनुमोदन प्राप्त करना होगा
6-	कुचीपुडी कला अकादमी, मद्रास	9000	कुचीपुडी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
7-	बाल सरस्वती शास्त्रीय [illegible] भरत नाट्य स्कूल, मद्रास	2500	भरत नाट्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
8-	मद्रास म्यूथ लीयर, मद्रास	10000	संगीत शिक्षकों के लिए मानदेय (शिक्षकों का वेतन)
9-	श्री थ्यागराब्रह्म महोत्सव सभा, तंजावूर डिस्ट्रिक्ट	10000	132वें आराधना [illegible] पर्व के मनाने के लिए
10-	संगीत अकादमी, मद्रास	15000	विशेषज्ञ सम्मेलन, हिन्दुस्तानी संगीत के अनुसंधान तथा संवर्धन और कनिष्ठ कलाकारों तथा संगीत कालेज में प्रशिक्षण के लिए
11-	श्री जय गणेश ताल वाद्य विद्यालय, मद्रास	5000	तालवाद्य के शिक्षकों का वेतन और संगीत वाद्यों की खरीद
	उत्तर प्रदेश		
1-	सरस्वती संगीत महाविद्यालय, सीतापुर	3000	संगीतवाद्यों की खरीद के लिए बशर्ते कि 1975-76 में प्रदत्त अनुदान के संबंध में सनदी लेखापाल द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए।
2-	बाल संग्रहालय, लखनऊ	2000	शिक्षकों के वेतन के लिए

1	2	3	4
3-	मणिपुर नृत्य केन्द्र, लखनऊ	3000	शिक्षकों के वेतन के लिए बशर्ते कि वनमाली सिंह यहां काम नहीं कर रहे हों ।
4-	लक्ष्मी संगीत कला महाविद्यालय, इटावा	2000	शिक्षकों के वेतन के लिए
5-	मुक्ताकाश नाट्य संस्थान, मेरठ	2500	प्रकाश तथा ध्वनि उपस्कर खरीदने के लिए
6-	अवध सांस्कृतिक क्लब, लखनऊ	2500	एक नया नाटक प्रस्तुत करने के लिए
7-	दर्पण, कानपुर	5000	एक नाटक प्रस्तुत करने के लिए बशर्ते कि कुछ और खेले प्रस्तुत किए जाएं ।
8-	श्री हरि संकीर्तन सभा, नैनीताल	5000	संगीत शिक्षकों के वेतन तथा छात्रों के वजीफे के लिए

पश्चिम बंगाल

1	2	3	4
1-	लोक भारती, कलकत्ता	6000	लोक संगीत का सर्वेक्षण करने के लिए । (टेपों पर इनकी प्रतियां अकादमी को भेजी जाएंगी । ऐसे टेपों की व्यवस्था अकादमी करेगी)

1	2	3	4
2-	उदयशंकर इंडिया कल्चर, कलकत्ता केन्द्र, कलकत्ता.	15000	शिक्षकों के वेतन के लिए बशर्ते कि पिछले अनुदानों से संबंधित प्रलेख प्रस्तुत कर दिए जाएं
3-	लोक संस्कृति अनुसंधान संस्थान, कलकत्ता	5000	छाओ लोक नृत्य प्रदर्शित करने वाले कलाकारों को अदायगी के लिए । अनुदान की अदायगी पुरुलिया के डिस्ट्रिक्ट [illegible] कलक्टर के जरिए जाएगी ।.
4-	लोकवार्ता अकादमी, कलकत्ता	5000	पुरुलिया के छाओ नृत्य में प्रशिक्षण
5-	विवेकानंद आदिवासी कल्याण समिति, बांकुरा	2500	आदिवासियों द्वारा [illegible] जात्रा प्रदर्शन के लिए
* 6-	कलकत्ता कठपुतली थियेटर, कलकत्ता	5000	कठपुतली नाटक "रामायण" प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त एवं अंतिम अनुदान
7-	कलकत्ता संगीत स्कूल, कलकत्ता	5000	शिक्षकों के वेतन के लिए एवं कार्यकलापों को जारी रखने तथा उनके विस्तार के लिए

* अनुदान अभी नहीं दिया गया है ।

1	2	3	4
8-	अनामिका, कलकत्ता	5000	नाटक प्रस्तुत करने के लिए
9-	चिल्ड्रन्स लिटिल थियेटर, कलकत्ता	10000	कठपुतली विद्या तथा उनके प्रस्तुतीकरण में प्रशिक्षण के लिए
10-	भारतीय शिल्पी परिषद, कलकत्ता	4000	हिन्दी में नृत्य - नाटक "अली बाबा" प्रस्तुत करने के लिए आर्थिक सहायता
* 11-	थियेटर कार्यशाला, कलकत्ता	3000	मोहित चट्टोपाध्याय द्वारा रचित नाटक "अली बाबा" को प्रस्तुत करने के लिए आर्थिक सहायता (सहायता अस्वीकृत)
12-	युवा कठपुतली थियेटर, कलकत्ता	3500	पंचतंत्र से कठपुतली-व- मुखौटा खेले प्रस्तुत करने के लिए
13-	मणिपुरी नर्तनालय, कलकत्ता	5000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
14-	सौरभ, कलकत्ता	6000	कनिष्ठ शिक्षकों के वेतन के लिए
15-	नगेंद्र संगीत महाविद्यालय, रानाघाट	2500	शिक्षकों के वेतन के लिए
16-	उस्ताद नासिर मोइनुद्दीन डागर ध्रुपद संगीत आश्रम, कलकत्ता	6000	शिक्षकों के वेतन के लिए

* अनुदान अभी नहीं दिया गया है ।

1978-79 में स्वीकृत राज्य अकादमियों को अनुदान

क्र०सं०	राज्य अकादमी का नाम	राशि (रु०)	प्रयोजन
1	2	3	4
1-	आंध्र प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, हैदराबाद	4000	श्रप् भागवतम के 5 प्रदर्शन आयोजित करने के खर्च
* 2-	गुजरात संगीत नृत्य नाट्य अकादमी, अहमदाबाद	5000	राज्य स्तर पर बच्चों का एक नाटक उत्सव आयोजित करने के लिए
3-	हिमाचल कला, संस्कृति तथा भाषा अकादमी, शिमला	5000	प्रस्तावित चार लोक नृत्यों में से एक नृत्य आयोजित करने के लिए
4-	गोवा, दमन, दीव कला अकादमी, पणजी	5000	दशावतार कला महोत्सव का आयोजन करने के लिए बशर्ते कि अन्य स्थानों की पार्टियों को भी आमंत्रित किया जाए
* 5-	जम्मू-व-कश्मीर कला, संस्कृति तथा भाषा अकादमी, श्रीनगर	5000	राज्य के संगीत वाद्य एकत्र करने के लिए। नए ब्यौरे विचारार्थ प्रस्तुत किए जाएंगे।
* 6-	कन्नड़ तथा संस्कृति निदेशालय, बंगलौर	5000	संगीतकारों या नर्तकों की विवरण वाली पुस्तिका के सर्वेक्षण एवं प्रकाशन के लिए

* अनुदान अभी नहीं दिया गया है ।

1	2	3	4
7-	केरल संगीत नाटक अकादमी, त्रिचूर	5000	पारम्परिक, मेकअप पर एक कार्यशाला संचालित करने और उसी पर एक पुस्तिका (मलयालम में) प्रकाशित करने के लिए
8-	मध्य प्रदेश कला परिषद, भोपाल	5000	नृजातीय सर्वेक्षण द्वारा तैयार की गई कबीलों की सूची की सहायता से मध्य प्रदेश में संगीत के रूपों का सर्वेक्षण करने और जनजाति क्षेत्र/संगीत-वाद्यों की /के पूरी सूची तैयार करने के लिए
9-	मणिपुर राज्य कला अकादमी, इम्फाल.	1- 6000 2- [illegible] 2- 5000	इम्फाल में दैले उत्सव आयोजित करने के लिए केन्द्रीय अकादमी के साथ संयुक्त रूप से लाई हरोबा समारोह आयोजित करने के लिए
10-	उड़ीसा संगीत नाटक अकादमी, भुवनेश्वर	5000	कोरापुट कबीला क्षेत्र के सर्वेक्षण के लिए
11-	राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर	6000	प्रस्तुतीकरण प्रधान बाल थियेटर कार्यशाला के लिए बशर्ते कि श्रीमती सुलभा देशपांडे को कार्यशाला का निदेशक बनाया जाए

1	2	3	4
12-	उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ	5000	उत्तर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के सर्वेक्षण के लिए बशर्ते कि अकादमी इस योजना को अनुमोदन प्रदान कर दे
13-	तमिलनाडु इयाल ईसाई नाटक मन्रम, मद्रास	4000	पारम्परिक कठपुतली थियेटर के लिए
14-	पश्चिम बंगाल, नृत्य, नाटक, संगीत तथा ललित कला अकादमी, कलकत्ता	5000	"कृष्णजात्रा" का [illegible] उत्सव आयोजित करने के लिए

* अनुदान नहीं दिया गया है।

परिशिष्ट-III

1978-79 के दौरान व्यक्तियों/संस्थाओं को स्वीकृत विवेकाधीन अनुदान

क्र0सं0	व्यक्तियों/संस्थाओं का नाम	स्वीकृत राशि (रू0)	प्रयोजना
1	2	3	4
1-	श्रीमती सुनयन, बंबई	2000	कत्थक के जानकी प्रसाद प्रसाद घराना के प्रतिपादकों पर अनुसंधान के लिए
2-	डा0 एच0के0रंगनाथ, बंगलौर	2000	अंतर्राष्ट्रीय बाल वर्ष समारोह के उद्घाटन में भाग लेने के लिए कैलिफोर्निया के दौरे पर जाने वाली बच्चों की यक्षगान मंडली के लिए पोशाक तथा अलंकार तैयार करने के लिए
3-	श्री बाबूलाल और श्री भगवान दास, नई दिल्ली	1000	कठपुतली सामग्री तथा मंच का साजसामान खरीदने के लिए और एमस्टर्डम में कठपुतली समारोह में भाग लेने हेतु हालैंड के दौरे से संबंधित प्रासंगिक खर्च को पूरा करने के लिए
4-	श्री के0संजीव प्रभु, साउथ कनारा डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक	2000	भूत उपासना तथा यक्षगान परम्पराओं के तुलनात्मक अध्ययन के संबंध में प्रदेश के विभिन्न स्थानों की यात्रा तथा वहां ठहरने का खर्च पूरा करने के लिए

1	2	3	4
5-	श्री रमाकांत जयनागारकर, नई दिल्ली	1000	"... किंग लोबरा" ... बैले को प्रस्तुत करने के खर्च के लिए
6-	श्री पी०डी०आशीर्वादम, बैरागढ़ (म०प्र०)	1500	अनुसंधान कार्य के विविध खर्च को पूरा करने के लिए
7-	श्री सुरेंद्र नाथ जेना, नई दिल्ली	2000	उड़ीसा राज्य के अंदरूनी क्षेत्रों में मंदिरों की मूर्तियों का गहन सर्वेक्षण करने तथा फोटो लेने के लिए
8-	गुरु चंद्रकांत सिंह, नई दिल्ली	1000	बैले रासलीला तथा मणिपुर के लोक नृत्य देखने के वास्ते मणिपुर की यात्रा के लिए
9-	श्रीमती केसर देवी ..., रामेश्वर, राजस्थान	1000	स्वर्गीय श्री रामेश्वर ... की पत्नी को वित्तीय सहायता के लिए
10-	श्री सोनार चंद, नई दिल्ली	2000	बैले ('नृत्य ही जीवन है') प्रस्तुत करने के लिए
11-	गुरु राजकुमार सेनारिक सिंह, असम	1500	वित्तीय सहायता तथा डाक्टरी इलाज के लिए
12-	श्री सत्तीली कृष्णाराव, विशाखा पत्तनम	1000	तेलुगु लोक थियेटर पर अनुसंधान के लिए बशर्ते कि उल्लिखित विभिन्न थियेटरों में से एक चुन लिया जाए

1	2	3	4
13-	श्री डी०एन० पट्टनायक, भुवनेश्वर (उड़ीसा)	1500	छाओ नृत्य में क्षेत्रीय अनुसंधान के लिए (इसमें यात्रा व्यय भी शामिल है)
14-	श्री टी०वी० गोपाल कृष्णन, मद्रास	1000	संगीत वाद्य तथा पुस्तकें खरीदने के लिए
15-	दिल्ली बाल थियेटर, नई दिल्ली	2000	अंतर्राष्ट्रीय बाल वर्ष और संस्था की रजत जयंती समारोह के लिए
		22500/-	

परिशिष्ट- IV

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली-110001

1978-79 के प्राप्ति तथा अदायगी लेखाओं का विवरण (गैरयोजना)

प्राप्तियाँ	राशि (रु0)	अदायगियाँ	मूल बजट (रु0)	संशोधित बजट (रु0)	राशि (रु0)
1	2	3	4	5	6
अथ शेष	83713-12	कार्यालय व्यय			
संगीत नाटक अकादमी		स्थापना का वेतन	310000	295000	292593-45
रु0 83713-12		भत्ते तथा मानदेय	210000	210000	210143-18
		किराया, पौरकर तथा कर	140000	145000	161818-11
		भविष्य निधि में अंशदान	85000	85000	65159-00
मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	2489000-00	अन्य प्रभार	75000	80000	85615-31
प्रकाशनों की बिक्री	12060-86	सत्कार व्यय	1500	1500	1978-99
फोटुओं की बिक्री	2861-20	उपदान	-	-	-
		मकान निर्माण पेशगी	-	-	-
		प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	-	-
		कार्यालय का कुल खर्च	821500	816500	817308-04
स्टूडियो के भाड़ा प्रभार	5642-50	महा परिषद् के सदस्यों का यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता	35000	55000	52557-09

1	2	3	4	5	6
विविध प्राप्तियाँ		फर्नीचर और कालीन			
(1) (सामान्य)	1225-51	उपस्कर	5000	9000	8015-50
(2) (अग्रिम अदायगियों की	-	पुस्तकालय	10000	9000	11102-11
वसूलियाँ)		ग्रामोफोन रिकार्ड	5000	5000	5119-92
(3) (अनुदानों की वापसी)	2000-00	तकनीकी उपस्कर	16000	16000	16352-00
		रिकार्डिंग तथा फिल्म लेना			
		प्रकाशन			
		(अकादमी)	62000	80000	65653-24 [illegible]
		रायल्टी	1000	1000	-
		संगोष्ठियाँ, प्रदर्शनियाँ			
		तथा अकादमी के सांस्कृतिक			
		कार्यक्रम	85000	77000	39160-90
		[illegible] अनुवाद	600	600	551-90
		पुरस्कार तथा पारितोषिक	170000	180000	184998-08
		उपहार तथा सांस्कृतिक सामग्री			
		का विनिमय	500	500	40-65

1	2	3	4	5	6
		सांस्कृतिक संस्थाओं तथा व्यक्तियों को दिया गया अनुदान	600000	670000	673830-00
		प्रकाशन (अनुदान)	20000	18000	12000-00
		कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली को दिया गया अनुदान	375000	284000	284000-00
		जेएनएमडीए, इम्फाल को दिया गया अनुदान	295000	345000	345000-00
सवारी पेशगी पर ब्याज	129-76	विधिक खर्च	400	400	150-00
सवारी पेशगी की वसूलियां	7213-00	सवारी खरीदने के लिए पेशगियां	10000	20000	20135-00
त्यौहार पेशगी की वसूलियां	2700-00	त्यौहार पेशगियां	2500	5000	4900-00
संचयी सावधि जमा योजना कर्मचारियों का अभिदान	820-00	लेखा परीक्षा शुल्क	3500	8000	-
रोलड़िया को देय संचयी सावधि जमा योजना पर कमीशन		500वीं हरिदास शताब्दी समारोह	-	15000	-
		संचयी सावधि योजना रोलड़िया को देय संचयी सावधि जमा योजना पर ब्याज			820-00

1	2	3	4	5	6
अनिवार्य जमा योजना -		अनिवार्य जमा योजना			15241-80
कर्मचारियों का अभिदान	15241-80				
अनिवार्य जमा योजना पर ब्याज	4802-60	अनिवार्य जमा योजना पर ब्याज			4802-60
आयकर	12033-00	आयकर			12033-00
पेशगियाँ (सामान्य)	104316-48	पेशगियाँ (सामान्य)			1 33 109290-11
उचंत (सामान्य)	13968-15	उचंत (सामान्य)	1 72		13252-55
उचंत (अंशदायी भविष्य निधि) (कर्मचारियों का अभिदान)	80344-00	उचंत (अंशदायी भविष्य निधि)			80344-00
(जीवन बीमा की किश्तें) (कर्मचारियों का अभिदान)	8332-00	(जीवन बीमा की किश्तें)			8332-00
योजनागत व्यय से अस्थायी निधियों का अंतरण	104800-00	योजनागत व्यय में अस्थायी अंतरण			104600-00
- (अवितरित वेतन)	42682-73	- (अवितरित वेतन)			42403-34
- (सामान्य भविष्य निधि)	3800-00	- (सामान्य भविष्य निधि)			3600-00
उचंत (केन्द्रीय सरकार कर्मचारी बीमा योजना की किश्तें)	35-00	उचंत (केन्द्रीय सरकार कर्मचारी बीमा योजना की किश्तें)			30-00

1	2	3	4	5	6
- (बाढ़ राहत पेशगी की वसूलियाँ)	825-00	-(बाढ़ राहत पेशगियाँ)			7000-00
-मकान निर्माण पेशगी की एस०एन०धवन से वसूलियाँ	1560-00				
मंत्रालय के कार्यक्रम		मंत्रालय के कार्यक्रम			
		-(संत सूरदास की 500वीं जयंती) (12-5-78)			888-95
		- (सीरिया में [illegible] मंडली का दौरा)			867-50
-(बलोरियन कठपुतली शो अक्तूबर 5-6, 78 - टिकटों की बिक्री	1610-00	-(बलोरियन कठपुतली शो (अक्तूबर 5-6, 78)			6384-28
		-(उड़ीसा के लोक नृत्य) (अक्तूबर 9, 78)			5597-05

1	2	3	4	5	6
-(जर्मन लोकतांत्रिक गणराज्य का संगीत तथा नृत्य वाद्य योग अक्तूबर 22-24, 78)	15164-00	-(जर्मन लोकतांत्रिक गण राज्य का संगीत तथा नृत्य वाद्य योग अक्तूबर 22-24, 78)			11028-55
-(2-1-78 को (राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम)	15512-81	इतिशेष :			
25-1-78 को		नकद 1865-12			
-(राष्ट्रपति भवन में कार्यक्रम)	6835-60	बैंक 79157-03			
-(वियतनाम का बोंग सेन नृत्य वाद्य योग	3058-67	खुदरा रोकड़			
-(हंगरी के बुडापेस्ट स्टेट सपेट थियेटर) दिसम्बर 28-29, 78	4371-22	बही 46-70 81068-85			81068-85
जोड़ :	3048459-01		2518000	2615000	3048459-01

हस्ताक्षर
(जे०एन० मेहता)
वरिष्ठ लेखापाल

हस्ताक्षर
(एम०एल० जबलोक)
वित्त तथा लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर
(ए०एन० भवन)
सचिव

परिशिष्ट- (क)

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली-110001

1978-79 की प्राप्तियों तथा अदायगियों का विवरण (योजनागत व्यय)

प्राप्तियां	राशि (रु)	अदायगियां	मूल बजट (रु)	संशोधित बजट (रु)	राशि (रु)
1	2	3	4	5	6
अथ शेष :		प्रलेखन, पुरालेख, संग्रह, तथा अनुसंधान	350000	388000	396535-44
संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली	28146-41	संगीत विज्ञान में अनुसंधान यूनिट	75000	75000	54093-27
मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	812000-00	अध्येतावृत्ति योजना	25000	15000	-
विविध प्राप्तियां - केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना	170-00	पारम्परिक कलाओं के			
सवारी पेशगी पर ब्याज	9-26	दुर्लभ रूपों का संवर्धन तथा संरक्षण	50000	50000	49700-00
		कथक केन्द्र, नई दिल्ली से संलग्न नृत्य रचना यूनिट तथा पुस्तिकाओं का प्रकाशन	180000	192000	192000-00

1	2	3	4	5	6
श्री एच०एल०विज का छुट्टी		जवाहर लाल नेहरू मणिपुर			
वेतन अंशदान	1332-00	नृत्य अकादमी, इम्फाल से			
		संलग्न नृत्य स्कूल यूनिट तथा			
वृत्त चित्रों की बिक्री	3000-00	पुस्तिकाओं का प्रकाशन	120000	120000	120000-00
उचंत लेखे :		उचंत लेखे :			
- आयकर	2875-00	- आयकर			2875-00
- अंशदायी भविष्य निधि		-अंशदायी भविष्य निधि			
(कर्मचारियों का अभिदान)	9000-00	(कर्मचारियों का अभिदान)			9000-00
-जीवन बीमा की किस्तें		-जीवन बीमा की किस्तें			
(कर्मचारियों का अभिदान)	797-80	(कर्मचारियों का अभिदान)			797-80
-सामान्य भविष्य निधि		-सामान्य भविष्य निधि			
(कर्मचारियों का अभिदान)	1582-00	(कर्मचारियों का अभिदान)			1582-00
- अवितरित वेतन	7229-48	- अवितरित वेतन			7229-48
	865941-75		800000	840000	833612-79

1	2	3	4	5	6
जोड़ अग्रानीत	865941-75		800000	840000	833612-79
पेशगियाँ सामान्य	63446-18	पेशगी सामान्य			78248-50
योजनेतर व्यय से अस्थायी अंतरण	104600-00	योजनेतर व्यय में अस्थायी अंतरण			104600-00
अंचपी सावधि जमा योजना (कर्मचारी अभिदान)	260-00	अंचपी सावधि जमा जमा योजना (कर्मचारी अभिदान)			260-00
अंशदायी भविष्य निधि अंशदान :	708-00	अंशदायी भविष्य निधि अंशदान			708-00
अनिवार्य जमा योजना (कर्मचारी अभिदान)	2285-60	अनिवार्य जमा योजना (कर्मचारी अभिदान)			2285-60
अनिवार्य जमा योजना पर ब्याज	680-36	अनिवार्य जमा योजना पर ब्याज			680-36
		हिमालियन क्षेत्र का लोक थियेटर समारोह			16251-66

1	2	3		4	5	6
हिमालियन क्षेत्र के लोक थियेटर समारोह आयोजित करने के लिए मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	17500-00	इतिशेष :				
		-नकद	4958-78			
		-बैंक	13816-20			
		बुदरा				
		बही	-			
			18774-98	-	-	18774-98
जोड़ :	1055421-89			800000	840000	1055421-89

हस्ताक्षर
(जे०एन० मेहरा)
वरिष्ठ लेखापाल

हस्ताक्षर
(एम०एल०सबलोक)
वित्त तथा लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर
(ए०एन०धवन)
सचिव

कथक केन्द्र (कथक संस्थान) भावलपुर हाउस, नई दिल्ली

1-4-78 से 31-3-79 तक की अवधि का प्राप्ति तथा अदायगी लेखा (योजनेतर)

प्राप्तियां		राशि 78-79	संशोधित बजट 78-79	अदायगियां		राशि 78-79
अथ शेष		95197-05	[illegible]	वेतन तथा भत्ते		309763-06
डाक/पेशगी/शुल्क	50-00		79780-00	प्रशासन	78484-40	
फुटकर नकदी अग्रदाय	247-70		161100-00	शिक्षण अनुभाग	158582-74	
स्टेट बैंक आव इंडिया	94872-25	[illegible]	69823-00	नृत्य रूपक यूनिट	69694-02	
नकद	27-10		3000-00	कर्मचारी, जिनको आकस्मिकताओं में से अदायगी की जाती है	3001-90	
अनुदान		284000-00	4000-00	समिति के सदस्यों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता		2134-50
आय		31615-10		सामाजिक सुरक्षा उपाय		22354-00
दाखिला शुल्क	570-00		14000-00	अंशदायी भविष्य निधि	13918-00	
शिक्षा शुल्क			500-00	चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति	380-00	
विशेष पाठ्यक्रम नृत्य	2200-00		6280-00	के०स०स्वा०योजना	6278-00	

		राशि 78-79	संशोधित बजट 78-79			राशि 78-79
[illegible]						
तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम			240-00	बाल शिक्षा भत्ता	240-00	
प्रथम वर्ष	1800-00		100-00		240-00	
द्वितीय वर्ष	2750-00		5500-00	प्रतिपूर्ति-शिक्षा-शुल्क	123-00	
तृतीय वर्ष	1975-00		4000-00	छुट्टी यात्रा		
				रियायत उपदान	1423-00	
प्रारंभिक नृत्य				अन्य प्रभार		33287-45
प्रथम वर्ष	1060-00		3000-00	टेलीफोन का आम भाड़ा		
द्वितीय वर्ष	950-00		600-00	और उन पर किए		
तृतीय वर्ष	240-00		3500-00	गए कालों का खर्च	6973-70	
चतुर्थ वर्ष	260-00 1[illegible]		2500-00	टिकटों पर खर्च	757-55	
पंचम वर्ष	150-00		200-00	लेखन-सामग्री	3128-83	
विशेष	60-00		400-00	वर्दियाँ, बरसातीकोट		
				और छतरी	1978-85	
				मनोरंजन	56-85	

		राशि 78-79	संशोधित बजट 78-79			राशि 78-79
ठुमरी [illegible]रा पाठ्यक्रम	1125-00		3500-00	ढुलाई, कुलियों का खर्च		
पखावज पाठ्यक्रम	1150-00		7000-00	तथा सवारी खर्च	339-15	
वसूली योग्य राशि			540-00	अनुरक्षण तथा		
पूर्वदत्त शिक्षा शुल्क	75-00		500-00	मरम्मत	4200-71	
छात्रावास से प्राप्त प्रभार	13498-00		2000-00	विज्ञापन तथा प्रचार	4005-21	
विविध आय	2500-60		3500-00	परीक्षा शुल्क	541-40	
				प्रसार व्याख्यान	235-00	
				संगीत वाद्य	90-95	
				फर्नीचर	2812-01	
				पुस्तकालय	85-00	
				आकस्मिकताएं	1886-50	
				छात्रावास अनुरक्षण	539-07	
				परिकलित्र	2145-00	
				दृश्य-श्रव्य पाठ		
				अध्यापन	1298-50	

			राशि 78-79	संशोधित बजट 78-79		राशि	राशि 78-79
वसूली योग्य शिक्षा शुल्क		100.00					
के०स०स्वा०यो० अंशदान		395.75					
पेशगी		755.75					
सवारी	695.00						
अस्थायी	60.75			2500.00	कर्मचारियों का यात्रा भत्ता दैनिक भत्ता	1054.55	
				198,00	बकाया देयताएं	1158.57	
				5000.00	बिजली पानी की पूर्ति		
				1750.00	लेखा परीक्षा शुल्क		
				1500.00	बर्तन		940.00
					पेशगियां		
				3000.00	सवारी पेशगी		
				1012.00	त्यौहार प्रदत्त	2200.00	
					वसूली	1260.00	
			410812.15	399023.00			368479.01
अर्थात्				399000.00			
घटाई प्राप्तियां				20000.00			
				379000.00			
खर्च न की गई राशि				95000.00			
संगीत नाटक अकादेमी का अनुदान				284000.00			

अनुदान से संबंधित नहीं	राशि 78-79	अनुदान से संबंधित नहीं 78-79	राशि 78-79
अतिरिक्त मंहगाई भत्ता, कर्मचारियों का (नया)	10227-20	अतिरिक्त परिलब्धियाँ अ०ज०गो० 1570 (नई)	10227-20
अतिरिक्त मंहगाई भत्ता, कर्मचारियों का (पुराना)	10163-20	अतिरिक्त परिलब्धियाँ अ०ज०गो० 1510 (पुरानी)	10155-20
भविष्य निधि में केन्द्र का अंशदान कर्मचारियों का अंशदान	18889-00	सं०ना०अ० ने कर्मचारियों की भविष्य निधि	34807-00
भविष्य निधि में केन्द्र का अंशदान	15828-00	छात्रवृत्ति, संस्कृति विभाग	13036-67
[illegible] निधि [illegible] अंशदान	[illegible]	अवधान राशि	500-00
भविष्य निधि पेशगी के लिए अंशदान	90-00	पुस्तकालय राशि	100-00
छात्रवृत्ति एवं संस्कृति विभाग	13500-00	रोकड़ शेष	43244-47
पुस्तकालय राशि	180-00	डाक शुल्क 50-00	
अवधान राशि	870-00	खुदरा रोकड़ 212-28	
		नकद -	
		स्टेट बैंक आव इंडिया 42982-19	
	480559-55		480559-55

लेखापाल

निदेशक

कथक केन्द्र (कथक संस्थान)
भावलपुर हाउस, नई दिल्ली

परिशिष्ट-1 (क)

1-4-78 से 31-3-79 तक की अवधि की प्राप्ति तथा अदायगी (योजनागत)

प्राप्तियाँ		राशि 78-79	संशोधित बजट 78-79	अदायगियाँ		राशि 78-79
प्राप्तियाँ						
अथ शेष		20429-76	68706	वेतन तथा भत्ते		71016-11
नकद	3858-23			छात्रवृत्ति		34029-03
स्टेट बैंक आव इंडिया	16571-53		13070	प्रथम वर्ष	9770-98	
अनुदान		192000-00	15250	द्वितीय वर्ष	15248-39	
प्रायोजित कार्यक्रम			9010	तृतीय वर्ष	9009-66	
आय } स्थानीय	12600-00	9773-00		सामाजिक सुरक्षा उपाय		7104-25
व्यय }	2827-00		3872	अंशदायी भविष्य निधि	3376-00	
आय } बाह्य	27204-00	12662-45	2500	के०स०स्वा०योजना	2310-00	
व्यय }	14541-55		2500	छुट्टी यात्रा रियायत	1418-25	
टिकटों की बिक्री		12772-00	101000	प्रस्तुतीकरण तथा कार्यक्रम:		98134-78
प्राप्त राशि		721-00		प्रस्तुतीकरण तथा कार्यक्रम	95594-27	
विविध ... आय		45-00		पोशाकें	2234-96	
केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना का अंशदान		469-50		गहने (नकली)	305-55	

राशि 78-79	संशोधित बजट 78-79		राशि 78-79
	2000	कर्मचारियों के यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते	916-56
	12000	कत्थक कार्यशाला	7793-61
	1228	बकाया देयताएं	1228-50
		त्यौहार पेशगी	200-00
		जवारी	104-00
	1000	आकस्मिकताएं	
248872-71	232136		220526-84
घटाएं, प्राप्तियाँ	20000		
	212136		
घटाएं खर्च न की गई राशि	20000		
अनुदान (सं०मा०अ०)	192136		

	राशि 78-79		राशि 78-79
अनुदान से संबंधित नहीं		अनुदान से संबंधित नहीं	
भविष्य निधि में केन्द्र का अंशदान	3664-00	भविष्य निधि पेशगी अंशदान	100-00
भविष्य निधि में कर्मचारियों का अंशदान	5112-00	संगीत नाटक अकादमी कर्मचारी भविष्य निधि	8676-00
अतिरिक्त महंगाई भत्ता (नया)	2609-60	अतिरिक्त परिलब्धियां - अनिवार्य जमा योजना 1510	2609-60
		सीरिया का दौरा	1912-63
		नेपाल का दौरा	583-20
		रोकड़ शेष	25850-04
		नकद 1700-00	
		स्टेट बैंक आव इंडिया 24150-04	
	260258-31		260258-31

हस्ताक्षर
लेखापाल

हस्ताक्षर
निदेशक

परिशिष्ट - ग

वर्ष 1978-79 का वित्तीय विवरण (योजनेतर)

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल

प्राप्तियाँ	राशि	व्यय	राशि
अथ शेष	2377-47	भत्तों सहित स्थापना का वेतन	329850-61
सं० ना० अ० से प्राप्त अनुदान	331000-00	मानदेय, यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता तथा समयोपरि भत्ता	
एम.एस.के.ए. से प्राप्त अनुदान	5000-00		
रंगभवन का प्राप्त किराया	6050-00	[illegible] छात्रवृत्तियाँ	28010-50
दाखिला तथा शिक्षा शुल्क	8424-00	अवितरित छात्रवृत्तियों की अदायगी	500-00
विविध प्राप्तियाँ	950-60	अंशदायी भविष्य निधि के लिए अकादमी का अंशदान	32000-00
परिमल अकादमी की व्याज सहित निधि	22770-00		
प्रस्तुतीकरण लागत	14022-00	अंशदायी भविष्य निधि (एस.) तथा (आर.)	27756-00
पेशगियों की वसूली	2883-00	त्योहार पेशगी	2200-00
योजना (उचंत)	12000-00	योजना (उचंत)	12586-50
अंशदायी भविष्य निधि (उचंत)	69948-00	वार्षिक उत्सव	2282-40
अंशदायी भविष्य निधि (एस.) तथा (आर.)	27756-00	बीमा की किस्तें	2744-00
जमानत जमा	1820-00	फिल्म लेना तथा रिकार्डिंग	381-00
एम.एस.के.ए. से प्राप्त वर्तमान प्रभार	980-00	खुल सरकार स्वर्ण पदक	5000-00

प्राप्तियाँ	राशि	व्यय	राशि
पी०सी०डी० का बकाया	1122-54	पोशाक तथा संगीत वादयों की खरीद तथा मरम्मत	1336-00
अवितरित छात्रवृत्तियाँ	1970-00	अंशदायी भविष्य निधि (उचंत)	12000-00
बीमा की किस्तें	2744-00	नृत्य शो के प्रभार	7450-50
खुजू सरकार स्वर्ण पदक	5000-00	फर्नीचर, जुड़नार तथा उपस्कर	2468-00
		पुस्तकालय, अनुसंधान तथा प्रकाशन	2216-93
		बिजली, लेखन सामग्री, टिकट तथा पानी के खर्च	3974-40
		अन्य व्यय	5373-38
		(+)	2278-29
		जमा वापसी (अवधान राशि तथा जमानत)	1610-00
		परिमल अकादमी निधि	20700-00
		वर्दियाँ	467-28
		उपदान	856-00
		31-3-79 को इतिशेष	2746-32
जोड़ :	516797-61		516797-61

हस्ताक्षर
(श्रीमती) (विनोदिनी देवी)
सचिव

परिशिष्ट - VI (क)

वर्ष 1978-79 का आय-व्यय विवरण (योजनागत)

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल

प्राप्तियाँ	राशि	व्यय	राशि
अथ शेष	3341-79	स्टाफ तथा स्टाफ कलाकारों का स्थापना	
संगीत नाटक अकादमी से प्राप्त अनुदान	110000-00	वेतन	94661-62
पेशगियों की वसूली	1784-00	फर्नीचर - मरम्मत तथा खरीद	110-00
अंतरण (योजनेतर)	10960-00	पोशाकों की मरम्मत और खरीद	330-00
अंशदायी भविष्य निधि (उचंत)	15429-00	अन्य प्रभार	2179-72
प्रस्तुतीकरण लागत	1300-00	संगीत वाद्यों की मरम्मत तथा खरीद	505-00
		प्रस्तुतीकरण लागत	3640-29
		रंगमंच साज बत्ती तथा उपस्कर	501-40
		वर्दियाँ	77-88
		अंतरण (योजनेतर)	12000-00
		त्यौहार पेशगी	9000-00
		जीवन बीमा की किस्तें	482-50

प्राप्तियाँ	राशि	व्यय	राशि
त्यौहार पेशगी (वापसी)	4480-00	अंशदायी भविष्य निधि (उचंत)	15429-00
जीवन बीमा की किस्तें	482-50	31-3-1979 को इतिशेष	8859-88
जोड़ :	147777-29		147777-29

हस्ताक्षर

(श्रीमती) (एम०के० विनोदिनी देवी)

सचिव